



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 9, 1977 (आषाढ़, 18 1899)
No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 9, 1977 (ASADHA 18, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 जून 1977

सं० ए 32013/1/77-प्रशा-I—संघ लोक सेवा आयोग में केरीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्न-लिखित स्थायी अधिकारियों को, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, उस सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	अवधि
1.	श्री नर सिंह रियात	14-5-1977 से 2-7-1977 तक
2.	श्री प्र० प्रार० अहीर	29-5-1977 से 12-7-1977 तक
3.	श्री प्रीत लाल	16-5-1977 से 8-7-1977 तक

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर, 1977 हेतु आयोग के नोटिस में संशोधन ।

सं० एफ-8/3/77-ई-1 (बी) :—भारत के राजपत्र में दिनांक 14 मई, 1977 को प्रकाशित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर 1977 में संघ लोक सेवा आयोग के नोटिस सं० एफ० 8/3/77 ई० 1 (बी०), दिनांक 14 मई, 1977 में नोटिस के पैरा 1 में उल्लिखित शब्दों और अंकों "8 नवम्बर, 1977" के स्थान पर शब्दों और अंकों को "15 नवम्बर, 1977" पढ़ा जाए ।

बी० एस० जाली, अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 जून, 1977

सं० एफ० 11/26/77-स्था०—राष्ट्रपति, श्री तिलक राज, सहायक कमांडेंट 21 बटालियन, के० रि० पु० दल को उनका नाम श्री तिलक राज अरोरा बदलने की स्वीकृति देते हैं ।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव

दिनांक 18 जून 1977

सं० II-989/74-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी कुमारी बसन्ती देवी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्यागपत्र दिनांक 16-4-77 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० -999/75-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी नारायण मिश्रा, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्यागपत्र दिनांक 19-4-1977 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

दिनांक 20 जून 1977

सं० II-1059/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर जतिन्द्रा नाथ सवारगरी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड-I (सहायक कमांडेन्ट) के पद पर उनकी 31-5-77 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जून 1977

सं० एक 2/3/77-स्थापना—राष्ट्रपति, निम्नलिखित स्थापनापत्र कमांडेंटों को मूल रूप में कमांडेंट के पद पर 29-5-77 से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री वी० चक्रवर्ती
2. श्री एस० ए० तौफिक
3. श्री आर० सन्धानाम
4. श्री के० एल० सचदेव
5. श्री डी० आर० शर्मा

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जून 1977

सं० 10/17/77-प्रशा०—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के अधिकारी, श्री एम० सी० नारंग को तारीख 1 जून, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जून 1977

सं० 25/39/73-प्रशा०-I—तारीख 16-4-1975 की पूर्वाह्न से 2 वर्ष के लिए प्रदान की गई जवाहर लाल नेहरू फेलोशिप के समाप्त हो जाने पर डा० बी० के० राय बर्मन ने तारीख 16 अप्रैल, 1977 के पूर्वाह्न से भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उप महापंजीकार (सामाजिक अध्ययन) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

रा० भ० चारी,
भारत के महापंजीकार और पदेन
संयुक्त सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना
मध्य प्रदेश

होशंगाबाद, दिनांक 14 जून 1977

सं० पी० डी०-1/2363—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी०डी०/1/1268 दिनांक 7-5-77 के आगे श्री पी० पी० शर्मा, फोरमैन को 3-6-77 से 10-6-77 की और अवधि के लिए प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है चूंकि श्री एम० पद्मनाथन, सहायक कार्य प्रबन्धक छुट्टी पर हैं।

आर० विश्वनाथन,
महा प्रबन्धक

कार्यालय महालेखाकार

वाणिज्य निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1977

कार्यालय आदेश सं० प्र०/36—इस संगठन के स्थानापन्न लेखाधिकारी श्री आर० लक्ष्मी नरसिम्हान को 1-2-76 से लेखाधिकारी संवर्ग में मौलिक स्थायी क्षमता में रिक्त पद पर नियुक्त किया जाता है जोकि श्री डी० पी० सरिन लेखा अधिकारी के दिल्ली विद्युत प्राधिकरण में स्थायी समावेशन के कारण खाली हुआ है।

के० पी० रंगास्वामी,
महा लेखाकार

विषय:—श्री के० आर० बर्मन, अनुभाग अधिकारी, कार्यालय वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता की एन० बी० आर० के अंतर्गत लेखाधिकारी के रूप में पदोन्नति।

सं० प्र० 1/2/(I)/V/1178—अधिसूचना सं० प्र० 1/(I)/V/50 दिनांक 5-5-77 जिसके द्वारा प्रबंधक (लेखा), भारतीय खाद्य निगम, दीनाजपुर (बैलूरघाट) के कार्यालय में सहायक प्रबंधक (लेखा) के रूप में कार्य कर रहे, वरिष्ठ उप महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, कलकत्ता के कार्यालय अनुभाग अधिकारी श्री के० आर० बर्मन को प्रोफोर्मा पदोन्नति प्रदायी गयी थी, अब रद्द की जाती है।

एस० एस० मान,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 14 जून 1977

सं० प्रशासन-1/भा० ले० वि०/31-खण्ड-30—महालेखाकार महाराष्ट्र-1, अधिनस्थ लेखा सेवा के निलिखित सदस्यों

की, उनके नामके सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री जी० बी० नायर	25-3-1977 (अपराह्न)
2.	श्री जे० के० पाटील	28-3-1977 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० आर० राउत	1-4-1977 (अपराह्न)
4.	श्री जी० एस० भाटिया	14-4-1977 (पूर्वाह्न)
5.	श्री एस० सुन्दर राजन्	23-4-1977 (पूर्वाह्न)
6.	श्री पी० के० जॉन	16-4-1977 (अपराह्न)

सर्वश्री जी० बी० नायर, डी० आर० राउत, और एस० सुन्दर राजन् की नियुक्ति अन्तिम है तथा बम्बई उच्च न्यायालय के सम्मुख अनिर्णित समादेशाविका के अन्तिम निर्णय के अधीन रहते हुए की गई है।

(श्रीमति) र० कृष्णकुट्टी,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय मह.लेखाकार हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 25 जुलाई 1976

सं० प्रशासन 1/पी० एफ०/76-77/1656—केन्द्रीय सिविल सेवाएँ (अस्थाई सेवाएँ) नियम 5, उपनियम (1) के अन्तर्गत में श्री विजय प्रसाद बघोनी, लिपिक को नोटिस जारी करता हूँ कि यह नोटिस दिये जाने के एक महीने बाद की तारीख से या जैसी स्थिति उसे निर्दिष्ट हो, से उसकी सेवा समाप्त समझी जायेगी।

आर० एन० चोपड़ा,
उप महा लेखाकार

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

मध्य रेलवे

बम्बई वी० टी० दिनांक 2 अप्रैल 1977

जी० ओ० ओ० सं०-475—श्री ए० आर० निकले, स्थाई अनुभाग अधिकारी, जो स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत है, को दिनांक 28-12-76 से स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर मौलिक रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 जून 1977

जी० ओ० ओ० सं० 493—इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) श्री एस० बी० पटवर्धन को दिनांक 1-6-1977 (पूर्वाह्न) से जब तक अन्य आदेश नहीं होते तब तक स्थानापन्न रूप में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

कुलवन्त सिंह,
मुख्य लेखा परीक्षक

निदेशक लेखा परीक्षा का कार्यालय

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1977

सं० 1515/ए० प्रशासन/130/75-77—निदेशक लेखा

परीक्षा, रक्षा सेवाएं, अधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थाई सदस्य श्री सुरज भान को सहायक निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं (निवृत्ति) इलाहाबाद में दिनांक 6-6-77 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न, लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० दास भौमिक,
वरिष्ठ उप निदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 जून 1977

सं० 18342/प्रशा०-II—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीखों से वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-1 (रु० 2500/- 125/2-2750/-) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तारीख जिससे नियुक्त किया गया
1.	श्री एस० के० सुन्दरम	14-6-1977 (पूर्वाह्न)
2.	श्री के० अर्वामुदन	14-6-1977 (पूर्वाह्न)

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 13 जून 1977

सं० 20/77/जी—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से अन्य आदेश न होने तक स्थानापन्न डी० जी० ओ० एफ०/श्रेणी-I के पद पर नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री जी० डी० भल्ला, 16 फरवरी, 1977
स्थानापन्न डी० जी० जी०
ओ० एफ० (श्रेणी-II)

(2) श्री पी० आर० र.व., 16 फरवरी, 1977
स्थानापन्न, डी० जी०
जी० ओ० एफ०
(श्रेणी-II)

सं० 21/77/जी—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से अन्य आदेश न होने तक

स्थानापन्न महाप्रबन्धक (एस० जी०) श्रेणी-II ओ० एस० डी० [महाप्रबन्धक (एस० जी०) श्रेणी-II की ग्रेड में] के पद पर नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री के० नारायण, 16 फरवरी, 1977
स्थायी महाप्रबन्धक,
श्रेणी-I
- (2) श्री पी० डी० पंत, 26 फरवरी, 1977
ओ० एस० डी०,
(महाप्रबन्धक,
श्रेणी-I के ग्रेड में)
- (3) श्री आर० जी० देवला- 16 फरवरी, 1977
लीकर, स्थानापन्न
महाप्रबन्धक (श्रेणी-I)

सं० 22/जी/77-राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को उनके नाम के सामने दर्शायी गई तारीख से अगले आदेश तक स्थानापन्न महाप्रबन्धक, श्रेणी-I के पद पर नियुक्त करते हैं :—

श्री के० पी० आर० पिल्लाय, स्थायी महाप्रबन्धक—7 श्रेणी-II—6 फरवरी, 1977।

दिनांक 17 जून 1977

सं० 24/77/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० एम० भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी एस० ए०) मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी, ईशापुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 25/77/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) पूरा करने पर श्री एम० के० मारिक, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 28-2-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 26/77/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) पूरा करने पर श्री जे० के० नाहा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 28-2-77 (अपराह्न) सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आइनेन्स
फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक जून 1977

सं० 23/3/77-सी० पी० आई०—मई, 1977 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) अप्रैल, 1977 के स्तर से पाँच अंक बढ़ कर 318 (तीन सौ अठारहा) रहा। मई 1977 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 386 (तीन सौ छःयासी) आता है।

त्रिभुवन सिंह,
उप निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1977

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/402/56-प्रशासन (राजपत्रित)—श्रीमती यू० के० शेलकरजी संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई के कार्यालय में नियंत्रक, आयात निर्यात थी, मूल नियमावली के नियम 56 की धारा (के) के अन्तर्गत 16 अप्रैल, 1977 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गई।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1977

सं० 6/1174/77-प्रशासन (राज०)/4298—मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, एतद् द्वारा श्री बी० एम० चक्रवर्ती को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में, 30 अप्रैल, 1977 के दोपहर बाद से अगला आदेश जारी होने तक, नियंत्रक श्रेणी 2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री चक्रवर्ती, के रूप में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो 40-1200 रुपए के वेतन मान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1172/77-प्रशासन (राज०)/4310—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद् द्वारा श्री डी० सी० चक्रवर्ती को सं० मु० नि० आ० नि० के कार्यालय कलकत्ता में 30 अप्रैल, 1977 के दोपहर बाद से अगला आदेश जारी होने तक, नियंत्रक श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री चक्रवर्ती, नियंत्रक के रूप में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1170/77-प्रशासन (राज०)/4315—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद् द्वारा श्री एस० के० मुखर्जी को, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में, 30 अप्रैल, 1977 के दोपहर बाद से, अगला आदेश जारी होने तक, नियंत्रक श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० के० मुखर्जी, नियंत्रक के रूप में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतन मान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1171/77-प्रशासन (राज०)/4320—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, एतद् द्वारा श्री एन० सी० देवनाथ को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में 30 अप्रैल,

1977 के दोपहर बाद से अगला आदेश जारी होने तक नियंत्रक श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से भिन्न) के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री देवनाथ नियंत्रक रूप में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० पी० मखर्जी,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 जून 1977

सं० प्र-1/1(69)/VIII—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड-ए में अधिमध्य मान पद) श्री एम० सी० अग्रवाल को दिनांक 6 जून, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में अपर महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जून 1977

सं० प्र-1/1(341)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) श्री एस० पी० अग्रवाल को दिनांक 6 जून, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जून 1977

सं० प्र-1/1(82)/VI—राष्ट्रपति, स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) श्री पी० पी० कपूर को दिनांक 6 जून, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र-1/1(470)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-II) श्री डी० आर० नागपाल को दिनांक 6 जून, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-17011(16)/71-प्र०-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी श्री टी० एस० सन्धू को दिनांक 27 मई, 1977 से आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-II की इन्जीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सन्धू ने निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 27 मई, 1977 के पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मण्डल, बम्बई में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 20 जून 1977

सं० प्र०-1/1(474)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के स्थायी उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) श्री अमर लाल को दिनांक 6 जून, 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I में) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

कीरत सिंह,

उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 जून 1977

सं० ए०-17011/128-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में स्थायी भण्डार परीक्षक (इन्जी०) श्री मिसिर कान्ति बसु को दिनांक 28 मई, 1977 के पूर्वाह्न से इस महानिदेशालय के आधीन उसी निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० प्र०-6/247(214)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के स्थायी भण्डार परीक्षक (इन्जी०) तथा स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री जे० पाल जो भारत पूर्ति मिशन लंदन में तकनीकी अधिकारी (ग्रेड-III) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, को सरकारी सेवा से निकाल दिया गया है।

सूर्य प्रकाश,

उप निदेशक (प्रशासन),

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

शिलांग, दिनांक 20 जून 1977

सं० 2222-के० (वी० एम०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक ने श्री के० वी० मोहन की सहायक भूवैज्ञानिक के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, भारत अलम्यूनियम कम्पनी लिमिटेड से परावर्तन पर उसी क्षमता में, 16 मई, 1977 के पूर्वाह्न से कार्यभार ग्रहण करने की स्वीकृति देते हैं।

एस० वी० पी० अयंगर

उप महानिदेशक

कृते महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 जून 1977

सं० ए-19012(88)/77-स्था० ए०—श्री एम० एन० माकोडे, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 21 मई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए-19012(89)/77-स्था० ए०—श्री एस० सी० नेभानी, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 24 मई, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-19012(90)/77-स्था० ए०—श्री पी० एस० धोडके, स्थायी सहायक भंडारी (तक०) तथा स्थानापन्न भंडारी (तक०) ग्रेड II को दिनांक 3 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग 'ब' के पद में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सुरेश चन्द
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1977

सं० 5 (92)/60-स्टाफ-एक—श्री एस० पी० सिन्हा कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पटना, जिनका दिनांक 15-4-1977 से 30-7-77 तक सेवा निवृत्तिपूर्व अवकाश स्वीकार कर दिया गया है, वह छुट्टी समाप्त होने पर दिनांक 31 जुलाई, 1977 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो जाएंगे।

एन० के० भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1977

सं० 1/8/77-एस०-दो—श्री एन० आर० सैनी, लेखा अधिकारी, वेतन और लेखा कार्यालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली को, दिनांक 16-5-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर, 840-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

एस० वी० सेपाद्री
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 16 जून 1977

सं० 5/43/63-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० वेन्कटेश्वरलु स्थानापन्न विक्रेता, फिल्म प्रभाग, हैदराबाद को दिनांक 6-6-1977 के पूर्वाह्न से, फिल्म प्रभाग मंगलौर में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

श्री के० वेन्कटेश्वरलु से भारमुक्त होने के बाद श्री द्वि० के० नायर, विक्रेता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1977

सं० ए०-12026/2/77-स्था०—श्री सिया राम गोयल, स्थायी ज्येष्ठ लेखापाल, को 2 जून, 1977 से अगले आदेश तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 जून 1977

सं० ए-12025/6/77-स्था०—श्री वेद प्रकाश, सहायक मिडिया कार्यपालक के छुट्टी जाने पर, श्री आर० के० सैन्डवाल, स्थायी तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को 6 जून, 1977 से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक मिडिया कार्यपालक के पद पर नियुक्त किया गया है।

आर० देवासर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1977

सं० ए०-12023/23/76-(एच० क्यू०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी शोभा रहेजा को 7 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुसंधान अधिकारी (पोषण) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12024/1/76-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) गुरमीत कौर सच्चर को 16 मई, 1977 पूर्वाह्न से 9 जुलाई, 1977 तक 55 दिनों के लिये केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12025/13/76 (एस० आई०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 5 मई, 1977 को पूर्वाह्न से

आगामी आदेशों तक श्री सत्येन्द्र कुमार को सपथरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में बाक्-चिकित्साक (स्पीच थेरेपिस्ट) के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 20 जून 1977

सं० 9-12/75-प्रशासन-I—सेवा निवृत्त की आयु के हो जाने पर राजकुमारी अमृतकौर कालिज आफ नर्सिंग, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी श्री होत चन्द बी० एच० 31 मई, 1977 अपराह्न को सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए० 12026/14/77(ए० आई० आई० पी० एम० आर०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती बी० एन० छाबरिया को 25 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से 28 मई, 1977 अपराह्न तक श्रीमती एन० ए० केलकर की अवकाश रिक्ति में अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास संस्थान, बम्बई के चिकित्सा समाज कल्याण विभाग में चीफ के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 6 जून 1977

सं० प्रशास० ए० 19012/43/77-स्थापना/3299—श्री अभिय कुमार रे की कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (रसायन इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक जून 1, 1977 अपराह्न से अभिम आदेशों तक के लिए नियुक्त की जाती है।

न० अ० रामध्या,
निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 6 जून 1977

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/76/स्थापना/11353 परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, निम्नलिखित भंडारियों को उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे लिखी अवधि के लिए उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000 व० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं:-

क्रम सं०	भंडारी का नाम	अवधि	टिप्पणी
1	2	3	4
1.	श्री एम० ए० शेख	16-8-76 से श्री टी० आर० एस० 1-10-76 तक थम्पी, सहायक भंडार अधिकारी जिन्हें भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया था, के स्थान पर।	

1	2	3	4
2.	श्री एल० एच० बख्से 11-10-76 से 30-11-76 तक	श्री एन० जॉन जॉनी, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर।	
3.	श्री आर० एम० मोंदकर 15-11-76 से 24-12-76 तक	श्री ए० आर० टोंड-वालकर, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर।	
4.	श्री के० पी० सिंह 8-11-76 से 10-12-76 तक	श्री के० चन्द्रशेखरन, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर।	

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना, दिनांक 13 मई 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18(3)/77-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एन० श्रीनिवासन, जिन्हें प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है, के स्थान पर श्री के० बी० राघवन की सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि को 7 मई, 1977 से 12 जून, 1977 तक बढ़ाते हैं।

दिनांक 19 मई 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/20(1)/76-आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी कंटीन पर्यवेक्षक श्री ई० एन० अय्यर को, श्री एन० जी० मलकानी, मैनेजर, छात्रावास के स्थान पर, जो छुट्टी पर गए हैं, 26-4-1977 से 2-7-1977 तक की अवधि के लिए मैनेजर, छात्रावास के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जून 1977

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76 आर०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक,

तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री बी० डी० चौधरी को जो कि तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, 25 मई, 1977 के पूर्वाह्न में अगले आदेश तक तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी के एक नियमित पद पर नियुक्त करने हैं।

के० बी० सेतुमाधवन
मुख्य प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1977

सं० ए० 32013/6/77-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गणेशन, निदेशक, अनुसंधान और विकास को 4 मई, 1977 से श्री सी० आर० तिरुमलै की रिक्ति छुट्टी में नागर

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन को तैनात किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री बी० ए० बेलिअप्पा सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर	25-5-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री प्रीतपाल सिंह सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली	18-5-77 (पूर्वाह्न)

दिनांक 16 जून 1977

सं० ए०-32013/3/76-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एस० पराठे, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को 10 जून, 1977 से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री पराठे को फिलहाल बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया जाता है।

पी० सी० जैन
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 27 मई 1977

सं० 1/398/77-स्था०—श्री पी० व्ही० रेड्डी, तकनीकी सहायक दौड़ शाखा, जो 22-12-1975 से उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किये गये थे, 14-2-77 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक दौड़ शाखा में स्थानापन्न तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/427/77-स्था०—श्री अशोक कुमार मुलाती को 6 मई, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग समूह, बम्बई में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले
महानिदेशक

विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर उपमहानिदेशक के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स
सहायक निदेशक प्रशासन
कूसे महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1977

सं० ए० 32013/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० जयरामन, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास को श्री बी० के० बाबू वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय मद्रास, की रिक्ति छुट्टी में 10 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तीन मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात है,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 17 जून 1977

सं० 16/257/76-स्थापना-I(१)—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रमेश चन्द्र सेटिया को दिनांक 26 मई 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून के अधीन क्षेत्रीय वन अनुसंधान केन्द्र जबलपुर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

हीरा बल्लभ जोशी
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समार्व्हालय, पटना

पटना, दिनांक 15 जून 1977

मि० सं० II (7) I-स्था/77/7465—श्री आर० के० पी० वर्मा, प्रशासन अधिकारी ग्रुप 'ब' केन्द्रीय उत्पाद प्रमंडल, धनबाद जो इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 256/76 दिनांक 28-9-76 के अनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाने के लिए कार्यभार से मुक्त हुए, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर दिनांक 31-1-77 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

मि० सं० II (7) 1-स्था०/77/1464—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (राजपत्रित अधिकारी श्रेणी 'ब') सेवा नियुक्ति की आयु पूरी कर उनके नामों के सामने दिए गए तिथि और समयानुसार सेवा निवृत्त हुए :—

क्रमांक	नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री आर० एम० बी० हिन्हा	31-1-77 (अपराह्न)
2.	श्री ईश्वरी प्रसाद	31-3-77 (अपराह्न)
3.	श्री विद्या सिंह	31-3-77 (अपराह्न)
4.	श्री वेदव्यास सिंह	31-5-77 (अपराह्न)

हरी नारायण साहु
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 जून 1977

सं० 25 ए० डी० एम० एन० (1)/77—नौवहन महानिदेशक, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, श्री ए० पी० रामकृष्णन् को तारीख 16 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अस्थाई तौर पर फ्रेट इन्वेस्टिगेशन अधिकारी, विशाखापटनम्, के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एम० ओचानी
नौवहन उप महानिदेशक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1977

सं० 7—भारतीय रेल अभियांत्रिक विभाग के निम्नलिखित अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने अंकित तिथि से बरिष्ठ बतनमान 1100-1600 (सं० वे०) में पुष्ट किये जाते हैं :—

1. श्री ए० के० पार्थ सारथि 12-2-69 अनन्तिम उप मुख्य इंजीनियर दक्षिण रेलवे
2. श्री के० बी० अब्राहम 2-1-74 अस्थायी अधीक्षण, अभियंता रोपिंग और ट्रांसपोर्ट मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. श्री पी० एस० मराठे 1-12-74 अनन्तिम उप मुख्य सतर्क अधिकारी मध्य रेलवे, बोम्बे।

दिनांक 20 जून 1977

सं० 8—निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारी जो अनन्तिम रूप से द्वितीय रेल सेवा में उत्तर रेलवे की अधिसूचना

संख्या 1, दिनांक 18/1/74, संख्या 11 दिनांक 24/7/74, संख्या 12 दिनांक 1/10/75 तथा सं० 7 दिनांक 23/3/76 द्वारा स्थायी किये गये थे उन्हें अब अनन्तिम रूप से उनके सामने दी गई तिथि से द्वितीय रेल सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी स्थायी किया जाता है।

जिस तिथि से अनन्तिम रूप से श्रेणी II में स्थायी किये गये

क्रम सं०	नाम	जिस तिथि से अनन्तिम रूप से श्रेणी II में स्थायी किये गये
1	2	3
1.	डा० एन० बी० सामन्ता	30-10-64
2.	डा० एन० सी० चटर्जी	26-11-64
3.	डा० (श्रीमती) सी० एम० सेठी	1-1-66
4.	डा० एस० के० दास गुप्ता	1-1-66
5.	डा० के० एन० भट्टाचार्य	1-1-66
6.	डा० जे० बी० कुन्दू	1-1-66
7.	डा० आर० एम० भट्टाचार्य	1-1-66
8.	डा० सी० डी० मनोचा	1-1-66
9.	डा० एन० के० घोष	1-1-66
10.	डा० अयिकेश कालरा	1-1-66
11.	डा० एन० सी० सैन गुप्ता	1-1-66
12.	डा० (मिस) कमला शर्मा	1-1-66
13.	डा० बिहारी लाल	1-1-66
14.	डा० एस० के० धर	1-1-66
15.	डा० बी० एम० सिंह	1-1-66
16.	डा० एम० चक्रवर्ती	1-1-66
17.	डा० एस० आर० कल्ला	1-1-66
18.	डा० एस० सी० पकराणि	1-1-66
19.	डा० एस० के० दास गुप्ता	1-1-66
20.	डा० ए० बी० चक्रवर्ती	1-1-66
21.	डा० (श्रीमती) हरजीत गोवा	1-1-66
22.	डा० ओ० पी० महाजन	1-1-66
23.	डा० (श्रीमती) ए० बवेजा	1-1-66
24.	डा० आर० डी० सिंह	1-1-66
25.	डा० एच० एस० राव पराधान	1-1-67
26.	डा० एम० एम० एस० लाम्बा	1-1-66
27.	डा० (श्रीमती) डी० सक्सेना	1-4-70
28.	डा० आर० एन० गोयल	1-1-66
29.	डा० यू० के० साह	1-1-66
30.	डा० पी० डी० श्रीवास्तवा	1-1-66
31.	डा० बी० के० बग्गा	1-1-66
32.	डा० एस० एन० सिंह	1-1-66
33.	डा० पी० के० श्रीवास्तवा	1-1-66
34.	डा० पी० एन० सहजपाल	1-1-66

1	2	3
35.	डा० (श्रीमती) राजरानी शर्मा	1-1-66
36.	डा० एस० बी० बरनी	1-1-66
37.	डा० (श्रीमती) सुदेश पांडे	1-1-66
38.	डा० जी० आर० कपूर	1-1-66
39.	डा० मुनीश चन्द्र	1-1-66
40.	डा० आर० के महता	1-1-66
41.	डा० एस० के० सूद	1-1-66
42.	डा० जे० पी० डांग	1-1-66
43.	डा० ओ० पी० चावला	1-1-66
44.	डा० जे० श्रीवास्तवा	1-1-66
45.	डा० आर० पी० नीगम	1-1-66
46.	डा० एस० सी० मनचन्दा	1-1-66
47.	डा० ओ० पी० चितकारा	1-1-66
48.	डा० आर० के० श्रीवास्तवा	1-1-66
49.	डा० एन० के० अग्रवाल	1-1-66
50.	डा० जे० पी० अग्रवाल	1-1-66
51.	डा० पी० पी० महता	1-1-66
52.	डा० एच० के० श्रीवास्तवा	1-1-66
53.	डा० मोहन भाटिया	1-1-66
54.	डा० आर० के० सैन	1-1-66
55.	डा० ओ० पी० जोशी	27-9-66
56.	डा० बी० के० गुप्ता	20-6-67
57.	डा० एम० सी० निगम	1-8-68
58.	डा० बी० एन० टन्डन	1-2-70
59.	डा० बुद्ध प्रकाश	19-2-70
60.	डा० मोहम्मद अक्रम	2-5-70
61.	डा० समोती लाल	31-8-70
62.	डा० (श्रीमती) एस० के० गुप्ता	10-4-72
63.	डा० (श्रीमती) सन्तोष गुप्तानी	13-5-72
64.	डा० (श्रीमती) ओ० पी० सैन	1-10-72
65.	डा० एम० पी० सक्सेना	24-12-72
66.	डा० (श्रीमती) एम० मलिक	1-1-66
67.	डा० (श्रीमती) शनो देवी अग्रवाल	1-1-66

एम० सी० मिश्रा,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 तब भारत
केबलज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
हैदराबाद, दिनांक 31 मई 1977

सं० 1339/टी०(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर नव

भारत केबलज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और
उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 अक्षय बैंक लिमिटेड के
विषय में

चण्डीगढ़, दिनांक 15 जून 1977

सं० 149/560/3015—कम्पनी 1956 की धारा 560
की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्वारा सूचना दी जाती
है कि अक्षय बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट
दिया गया है। और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़

कार्यालय, आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1977

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली सी० आई० टी०-3/77-78 15993—
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124/127 के अन्तर्गत
पिछले सभी आदेशों का अधिकरण करते हुए तथा आयकर
अधिनियम 1961(1961 का 34वां) की धारा 124 की
उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त
अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त,
दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के
कालम-3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उसी अनुसूची के कालम-
4 में बताए गए क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले सभी व्यक्तियों
या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या
मामलों के वर्गों के बारे में अपना कार्य करेगा किन्तु इन के अन्तर्गत
उन कंपनियों, उनके निदेशकों, पूर्तन्यासों, व्यवसायियों, जैसे,
चिकित्सकों, वकीलों, मनदी लेखाकारों, ठेकेदारों, वास्तुकारों
के मामले शामिल नहीं होंगे जो किसी दूसरे प्रभार को सौंप
दिए गए हों या अन्यथा किसी दूसरे प्रभार में कर निष्प्रेषण
योग्य हों।

अनुसूची

क्रम सं०	क्षेत्र	आयकर अधि- कारी का पदनाम	क्षेत्र सीमा
1		2	3
			उत्तर में
1.	नाज मिनेमा	आयकर अधिकारी डि०-8(3), नई दिल्ली	देशबन्धु गुप्ता मार्ग की दायों और का भाग जो देशबन्धु गुप्ता मार्ग तथा फेज रोड के चौराहे से लेकर

1	2	3	1	2	3
		देशबन्धु गुप्ता मार्ग और एम० एम० रोड के चौराहे के साथ उसके जंक्शन तक जाता है।			गुप्ता मार्ग और फैज रोड के साथ उसके चौराहे तक जाता है।
		पूर्व में पुरानी झांसी रोड की दायीं ओर का भाग जो देशबन्धु गुप्ता मार्ग तथा एम० एम० रोड के गोल चक्कर से शुरू होकर पंच- कुर्दियां रोड के साथ उसके जंक्शन तक (श्मशान घाट) दायीं ओर है जाता है।			वर्षिण में लिंग रोड जो पंचकुर्दियां रोड (श्मशान घाट) के साथ उसके जंक्शन से शुरू होकर अपर- रिज रोड के साथ उसके जंक्शन तक जाती है।
		पश्चिम में फैज रोड की दायीं ओर का भाग जो अपर रिज रोड तथा लिंग रोड के साथ उसके जंक्शन से शुरू होकर देशबन्धु			(ख) उपरोक्त मद संख्या (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी साम्प्रदायिक व्यक्ति। (ग) आयकर अधि- नियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे जाने वाले सभी मामले।
					यह अधिसूचना 15 जून, 1977 से लागू होगी।
					ए० सी० जैन, आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1977

निर्देश सं० 514/ए० सी० क्यू० 23-925/15-2/76-77 यतः मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 226-227/1 गोधरा मिटी, नवीन एरिया, शीट नं० 7 यार नं० 418/9 है, तथा जो पृथो कुंज सोसायटी के ताजदीक, गोधरा दोहर रोड, गोधरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) प्यारेलाल रामकृष्ण शर्मा हरीप्रसाद रामकृष्ण शर्मा, रमेशचन्द्र रामकृष्ण शर्मा, सिविल लाईन्स रोड गोधरा (अन्तरक)

(2) श्री ज्योन्सनाबेन शशीलाकन्त परीख पृमीकुंज सीसायटी, सी० बी० शाह रोड, गोधरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका रे० सं० नं० 227-227/1 पी०, और नं० यट नं० 418/9 है जमीन का कुल माप 501 वर्ग गज है तथा जो गोधरा मिटी, पूर्व भाग नवीन एरिया में पृमाकुंज सोसायटी के पास, गोधरा-बोहद रोड, गोधरा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गोधरा के अक्टूबर 1976 के रजिस्ट्रीकृत दिनक नं० 3075 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II

तारीख 17 जून 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० 5—यतः मुझे पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि

अनुसूची में है। तथा जो अरनीवाला शेख सूभा में स्थित है
इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-10-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वृद्धि नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मोखन सिंह, श्री दर्शन सिंह और श्री निशान सिंह
पुत्र श्री शुभल सिंह, गांव अरनीवाला शेख सूभा, तहसील
फ जिल्का, (अन्तरक)
- (2) श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री जस्मा राम भाटिया, नई दिल्ली
(अन्तरिणी)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में है, (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

M2K-11M भूमी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1646,
14-10-76 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिन्डा

दिनांक : 20-6-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हुबली, धारवाड़-580004

धारवाड़-580004, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० 182/77/78/निरीक्षण—यतः मुझे डि० सी०
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और ज़िम्मेदारी सं० अस्थित है जो अड्डेर ज़कुमेंट 1926 तारीख
21-10-76 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अरसीकेरे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री के० बेंकटास्वामी पुत्र श्री लेर हरप्पा हिल मॉव,
अरसीकेरे (अन्तरक)

2. श्री (1) के० बी० रविन्द्रनाथ बाबु, (2)

(2) श्रीमति के आर० विजयलक्ष्मी श्री के० बी० रवीन्द्र
नाथ बाबु के पत्नी।

(3) श्री के० आर० मतीस और

(4) के० आर० मधुसूदन के० वि० रवीन्द्रनाथ बाबु, के
छोटा बेटा, हिल बर्व, अरसीकेरे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

सारे मकान और खुला मैदान लक्ष्मीपरा, अरसीकेरे टाबुल
में है।

अनुसूची

(1) सुन गेस्ट हाऊस :—पूरब से पश्चिमी 13 1/2 फीट
और दक्षिण से उत्तर 54/14 फीट, कंपोड के साथ खुला मैदान
पूरब से पश्चिम 25 फीट और दक्षिण से उत्तर 118 फीट है।

(2) दपूदार बिल्डिंग :—स्थान पूरब से पश्चिम 36 3/4
फीट और उत्तर से दक्षिण 28 3/4 फीट हर व्यवस्था के साथ

(3) संभोधि के घर मंगलूर कौल के बनाया हुये :—
मुनिसिपल इलाका नं० 111 पुरा एरिया 49/2 फीट है।

डी० सी० राजागोपालन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 20-6-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हुबली

हुबली-580021, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० 183/77-78/निरीक्षण--प्रतः, मुझे डि० सि०
राजागोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० 1295 बी 1/2 ए और 1295 बी 1/3 ए
है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारवार
अंडर डाकुमेंट नं० 203, मा० 18-10-76 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16 के अधीन
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री धनजीया उत्तम रेखणकर फारेस्ट कंप्रस्कर, कारवार
(अन्तरक)

2. श्रीमत्ती (1) बेसाली परनी श्री सुभोदबोरकर टीचर,
कारवार

(2) कुमारी :--सुरेखा तुकाराम लोलेकर मेट्रोपोल
टाकीज पास मारगां (गोवा) (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुला मैदान और आर० सि० सि० बिल्डिंग कारवार
मुनिसीपल एरीयाक अंदर है।

सि० सं० एरिया बोंडरीज
ए०जी०सी०

1295 बी० 1/2 ए 0-9 12 1/2 पूरब के ओर एम० नं० 496/2
1295-बी 1/3 ए 0-5-4 दक्षिण ओर पश्चिम ओर 497
ए/1
पश्चिम के ओर 495/बी०
उत्तर के ओर 496/1

डि० सी० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कारवार

तारीख : 20-6-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

सबनूर बिल्डिंग, धारवाड़-580004

धारवाड़-580004, दिनांक 22 जून 1977

निर्देश सं० 184/77-78/निरीक्षण—यतः, मुझे डी० सी०
राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी एम० नं० 319/269 है, जो जननापुर,
नोटिफाईड एरिया, भद्रवती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भद्रवती ग्रंथर डाकुमेंट में, 1043 ता० 8-10-
1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1, श्री एम० सुब्बाराव अनियास मायाकोंडा, एम० एल० एन०
सीकिट्टया टेंपल, स्ट्रीट, भद्रवती,

(अन्तरक)

2. श्री अ० हरिबद्राव, पुत्र अ० मागप्पाया, जन्नापुर,
न्यू टाउन, मेम होटल का मालक, भद्रवती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिति : मजला तला महल, जन्नपुर अक्छी बस्ती में हैं।
भद्रवती नगर, म्युनिसिपल नं० 319/269 कुल 3107 फीट
है।

स्तल मजला : 1380 एम० फीट है।

पहला मजला : 800 एम० फीट है।

और महल का आसपास 1547 एम० फीट है।

खुला स्थान

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 22-6-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जून 1977

निदेश सं० 28-एच०/अर्जन 77:—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 549/263 है तथा जो सिकन्दरपुर नजूल बारा बरहा कालोनी आलमबाग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-146GI/77

1. श्री चित्रवान सिंह पाल (अन्तरक)
2. श्रीमती हरी प्रताप पाल (अन्तरिती)
3. व्यक्तिगत कब्जे में (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई नहीं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 549/263 स्थित है मो० सिकन्दरपुर नजूल बारा बरहा कालोनी, आलमबाग, लखनऊ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 जून 1977

निदेश सं० 149-एस०/अर्जन/77:—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो मेलविल शाप कम्पाउन्ड नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय माल रोड, नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 अक्टूबर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|-----------------------|------------|
| 1. श्रीमती दयाशाह | (अन्तरक) |
| 2. श्री शोहिन्दर सिंह | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट माप 1900 स्क्वियर फीट जो मेलविल शाप कम्पाउन्ड माल रोड, नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 24 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जून 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/867:—
अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फेक्ट्री, बिल्डिंग जमीन है, जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 नवम्बर, 76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा त्तु:—

1. (1) श्री कुन्दन मल पुत्र श्री रतन लाल जी भोरडिया
(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री समरथ मल जी चौरडिया
दोनों निवासी चांदनी चौक, रतलाम।

(अन्तरक)

3. मैसर्स जय भारत प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज,
दलीप नगर, रतलाम द्वारा पार्टनर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री, बिल्डिंग व खुली भूमि स्थित दलीप नगर, रतलाम।

रा० कु० बाली,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 18 जून, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जून, 1977

निदेश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/868:—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अनोखी लाल दख महाजन जैन निवासी मकान नं० 36, डालू मोदी बाजार (भूटाबाजार) रतलाम ।

(अन्तरक)

2. श्री शान्ती नारायण खोसला मकान नं० 24, डाट की पुल डी० एस० आफिस के पास, स्टेशन रोड, रतलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 24, स्थित डाट की पुल, डी० एस० आफिस के पास, स्टेशन रोड, रतलाम ।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 18 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जून, 1977

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल/77-78/869:—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 जनवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-: सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी बाबू पुत्र श्री अम्बालाल जी जयसवाल निवासी मकान नं० 36, गली धान कुट्टी, जनकपुरा, मन्दसौर।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री अनोखी जी दख महाजन म० नं० 36, डालू मोदी बाजार, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 739 ए० और 404 स्थित मिला निवासी रोड, छोटा पोली आउन्ड के पास, रतलाम।

रा० कु० बाली

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती बसंतीबाई पति श्री अम्बालाल जी जयसवाल
36, जनकुपुरा मन्दसौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जून, 1977

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/77-78/870:—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट है, जो रतलाम में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 17 जनवरी, 1977को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2. श्रीमती अनूप कुमारी पति श्री अनोखीलाल जी
दत्त महाजन जंग निवासी 36, डालू मोदी बाजार, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 739 ए व 404 स्थित मित्र निवासी रोड,
छोटा पोली ग्राउन्ड, रतलाम।रा० कु० बाली;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र भोपाल

तारीख: 18 जून, 1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून, 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/6409/76-77:—अर्जन (बी):—

यतः, मुझे जे० एस० रावू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं आर० एस० नं० 880 टी० एस० नं० 1082
विस्तीर्ण/0.16 (मकान भी मिला कर) है, तथा जो मल्लगुडु
वार्ड, कोडियल बैंक, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मंगलूर/द० रा० नं०—279/76-77 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता०
12 अक्तूबर, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मारथा पतालमो अलियास, डी० मैल्लो अलेक्स डि०
मैल्लो कि विधवा पत्नी। मन्नगुडु—मंगलूर-3

अपने जनरल पी० ए० हाल्डर थामस डि० मैल्लो से, प्रति-
निधित्व फेर फील्ड्स ब्लॉक, नं०-6, शांताक्रु अक्वेस्ट बांबे-400054
(में रहने वाला)।

(अन्तरक)

2. श्री के० बासुदेव राव के० श्रीनिवासराय के पुत्र मन्नगुडु
मंगलूर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 279/76-77 ता० 12 अक्तूबर, 1976)

आर० एस० नं०	टी० एस० नं०	विस्तीर्ण
880	1082	0-16
पुराना मकान भी मिलाकर—दरवाजा नं० 6-10-398 और 398-ए० मन्नगुडु वार्ड। कोडियल बैंक—मंगलूर टाउन।		

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, बंगलूर।

तारीख : 20 जून 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 जून, 1977

निर्देश सं० 62/6422/76-77/अर्जन/—यतः, मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 4 (सिओज 4) V, क्रोस है, तथा जो III में शेड जयनगर अकस्टेशन जायराज मोहका मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन ता० द० नं० 733/76-77 7 अक्टूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर के० आर० नारायण राव (निवृत्त) दि० १०/०५/५० शंगप्पा के पुत्र गुरुपुर गांव और पोस्ट हुनसुर तालुका मैसूर जिला ।

(अन्तरक)

2. बि० चेलुवरज यु वेंकटाजाल पिल्लाथि के पुत्र असिस्टेंट इंजीनियर भोज० बि० सि० सब विभाग नं० 4 जयर्का बिजापुर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 733/76-77 ता० 7 अक्टूबर, 1976)
मकान नं० (सि० भोज०-4) V, क्रोस III में शेड जयनगर जायराज मोहल्ला मैसूर ।

सीमा:—

उ०:— शेड
द०:— खासगी मकान
पु०:— शेड और
प०:— खासगी मकान ।

(जे० एस० राव)

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/6909/76-77/अर्जन (बी०)
—यतः, मुझे, जे० एस० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेती जमीन नं० 112 है, तथा जो बंडिगहल्ली,
हारोहल्ली, कतकपुरी तालुक बंगलूर डि० में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कतकपुरा/द० बो० नं० 2605 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 अक्टूबर,
1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4-146GI/77

1. श्री सी० डी० आदित्यरायण दि० यासप्पा के पुत्र नं०-
37. 4 ब्लाक-कुमरा पार्क वेस्ट एक्सटेंशन बंगलूर सिटी।
(अन्तरक)

2. श्री दयावरसे गौड़ा या पुहस्वामिगौड़ दोहू दयावरसे गौड़ा
के पुत्र विरूप सन्ध ग्राम सान्तनूर होंबली कलकपुरा तालुका
बंगलूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2605/76-77 ता० 18 अक्टूबर, 1976]
विस्तीर्ण और सीमा, और पूरा महिति जैसे रजिस्ट्री पत्र या दस्तावेज
में दिखाया गया है।

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/6935/76-77/अर्जन (बी):—

यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 24 (पुराना 133) (इसका भाग) है, तथा जो इब्राहिम साहिब स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर—दस्तावेज नं० 1070/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 अक्टूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बी० हादि बाशा साहेब, अब्दुल शुकर साहेब के पुत्र ।
- (2) श्रीमति एस० अमीना बाई, पि० अब्दुल शुकर की पत्नी ।
- (3) श्रीमती पी० झुलेकावि—ए० निमार अहमद साहिब की पत्नी ।
- (4) श्रीमती पी० जुबेदा बी, एम० एस० अब्दुल करीम साहेब की पत्नी ।

(5) श्रीमती पी० हाजिरा बी, ए० मूसा साहिब की पत्नी ।

(6) श्री पी० अब्दुल रहमान साहिब, पी० अब्दुल शुकर साहिब के पुत्र ।

(7) श्रीमती पी० नाहिरा बी, ए० कमालबाशा साहिब की पत्नी ।

(8) श्रीमती पी० साबिरा बी, पी० अब्दुल शुकर साहिब की पत्नी ।

(9) श्री पी० अब्दुल हसन, पी० अब्दुल शुकर साहिब के पुत्र ।

(10) श्रीमती पी० सादिका बी, पी० अब्दुल शुकर साहिब की पुत्री ।

(11) श्रीमती पी० सकीरा बी, पी० अब्दुल शुकर साहिब की पुत्री ।

(12) श्री पी० अब्दुल खादर पी० अब्दुल शुकर साहिब के पुत्र ।

अपनी माता श्रीमती अमीना बी, आदीरा से प्रतिनिधि सभी नं० 8, एम० एच० ए० स्ट्रीट, मेल्विशरम,

नमिलनाडु और 2 से 12 तक अपने प्रतिनिधि पी० हादिबाशा साहिब के प्रतिनिधित्व । (अन्तरक)

2. श्री एन० वेकट लक्ष्मय्या, एन० चौडप्पा के पुत्र ।

नं० 133, वीर पिल्लै स्ट्रीट, बंगलूर-1 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1070/76-77 ता० 4 अक्टूबर, 1976]
नं० 24—खत्ती के विभाग, पुराना नं०—133, इब्राहिम साहेब स्ट्रीट, डिवीजन नं० 54, सिविल स्टेशन बंगलूर ।

सीमा:—जैगे रजिस्ट्री पत्र में दिखाया गया है ।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जून, 1977

निर्देश सं० 62/6940/76-77:—यतः मुझे, जे० एम०
राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० (पुराना नया नं० 5) केब्रिगल रोड, स्टेशन बंगलूर
है, तथा जो प्रस्तुत नया नं० 1/2 अटिलरी रोड सिविल स्टेशन
बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० द० वा० नं० 1125 को 14 अक्टूबर, 1976

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फातिमा जेहरा जाफार नं०—3, इन्फैंटी रोड,
क्रॉस, बंगलूर-1 ।

(अन्तरक)

2. श्री एच० एम० कृष्णमूर्ति पोस्ट आफिस रोड हीमफोटे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

दा० व० नं० 1125/76-77 (तारीख 14 अक्टूबर, 1976
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिवाजीनगर में जैसे दिखाया गया है ।

वितीर्ण:— $\frac{60' \times 47'}{2} \times \frac{80' \times 81'}{2} = 4307$ चार फीट

या 400 चदर मीटर ।

सीमा:— जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है ।

(जे० एम० राव)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 4 जून, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून, 1977

निर्देश सं० 62/6954/76-77/अर्जन:—यतः मुझे जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नया नं० 1 और पुराना है, तथा जो नं० 1/1 लिनाई लेन रिजमंड टैन सिविल स्टेशन बेंगलूर-25, विमालीयन नं० 60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दा० बा० नं० 1250/76-77 30 अक्टूबर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहमद खाजित निशात गार्डन नं० 2 लारेल लेन रिजमंड टैन सिविल स्टेशन बेंगलूर-25 (2) जार्ज ओल्हावर नं० 64 प्रोस्पेक्टस स्ट्रीट श्रीनिवास कोविक्कुट यु० एस० ए० और (3) करीम ओल्हावर नं० 51 मसंटे स्ट्रीट मोंगरिज स्टम्प फोर्ड कोविक्कुट यु० एस० ए० अ०/नं० 2 और 3 आपनी बहिन और पि० अ० होलडर डिस्ट्रीक राहामजुल्ला प ए० एस० निवृत्त एण्डविल्ला नया नं० 102 पुराना नं० 4 ए० रेसिडेसियल रोड सिविल स्टेशन बेंगलूर-25 । (अन्तरक)

2. श्री सयैद बशीर अहमद दि—सयैद अब्दुल राडेल पेंड कोर्टेकटर नया नं० 65 रिजमंड रोड रिजमंड टैन सिविल स्टेशन बेंगलूर-25 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1256/76-77 ता० 20 अक्टूबर, 1976)
जमीन नं० 1 और पुराना नं० 1/1 लिनाई लेन रिजमंड टैन बेंगलूर-25 (विभागीय नं० 60)

सीमा:—

ऊ०:— सार्वजनिक रोड याने लिनाई लेन

द०:— सार्वजनिक रोड अगअब्दुल्ला स्ट्रीट

प०:— सार्वजनिक रोड अगअब्दुल्ला क्रोस

पु०:— रबासि जमीन श्रीमती शाह शहमतुल्ला नया नं० 2 पुराना नं० 1 लिनाई लेन ।

(जे० एस० राव)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून, 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 मई, 1977

सं० सी० प्रार० 62/6965/76-77 अर्जन (बी)—यतः मुझे
जी० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 2659-जमीन नं० -42 में है तथा जो
ब्लाक 1, वानिविलास मुहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मैसूर/दस्तावेज नं० 814/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-10-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बी० टी० नारायणन् निवृत्त व्यवसाय का डाइरेक्टर
(अन्तरक)

2. श्री आई० सुब्रह्मण्यन्/श्री राघव सन्त, 199 सय्या जी
राव रोड, मैसूर-570001 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यवितियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 814/76-77 ता० 29 अक्टूबर, 1976)
स्वती-मकान नं० म्युनिसिपल नं० 2659, जमीन नं० 42
में ब्लाक—I, वानिविलास मुहल्ला मैसूर-1 ।

पक्का—जमीन विस्तीर्ण :—

पूर्व, पश्चिम—29.0 मि० दक्षिण के तरफ और

29.38 मीटर्स—उत्तर के तरफ ।

उत्तर-दक्षिण : 36.70 मिटर

—1071.30 मिटर

इमारत—17 चदर ।

सीमाएं :—

उत्तर: कन्सरवन्सी लेन ।

दक्षिण : रास्ता ।

पूर्व : पांडुरंग रोही के मकान, दरवाजा नं०-2724

जमीन नं०-43 में

पश्चिम : मनोहर रोनाम के मकान—दरवाजा नं० 2503

साइड नं० 41 ।

जे०एस० राव
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 23 मई, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून, 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 6969/76-77/अर्जन(बी) :—

यतः मुझे, जे० एम० राव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खेती जमीन नं० 112 सर्वे नं० 156 है, तथा जो बंडिगनहल्ली, हारोहल्ली, होबली कतकपुरा तालुका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कतपुरा दि० वो० नं० 2537/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11 अक्टूबर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० डी० आदितानारायण दि० दासप्पा के पुत्र, नं०-37, 4 ब्लॉक, कुमथ पार्क वेस्ट एकमटेशन बेंगलूर सिटी ।

(अन्तरक)

2. श्री दयावरसे गौडा या पुट्टास्वानी गौडा पुत्र दयावरसे गौडा विरूपसंदा ग्राम, मांतानुर होबली कलकपुरा तालुका बेंगलूर डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2537/76-77 तालुका बंगलूर ता० 11 अक्टूबर, 1976)

विस्तीर्ण और सीमा और कन्तका पूरा डिस्ट्रिक्ट जैसे रजिस्ट्री पत्र या दस्तावेज में दिखाया गया है ।

जे० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून, 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

सं० सी०आर० 6976/76-77-यतः, मुझे, जे० एम० राय
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस० नं० 1040/टी० एम० नं० 448 किमान
भाग्यत उत्तर का विभाग ए० सी० 824 और 72 फीट
स्कवेयर ईमारत मिलाकर है तथा जो बिहार
वैल्यू में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कमर्यालय, मंगलूर/द० बा०
नं० 296/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
का 16) के अधीन ता० 21-10-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अंतोनी जोसेफ बेन्नी/डा० एम० डब्ल्यू० बेन्नी
के पुत्र केपिडानिया स्कूल के सामने मंगलूर-2।

(अन्तरक)

2. (1) डा० इग्नेशियस जोसेफ बेन्नी

(2) श्रीमती लूथिम मेरिया बेन्नी, कंकनाडी—मंगलूर
टाउन।

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी —नहीं— (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी मूलगार—समेल मिशन स्कूल।

(वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधो-हस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 296/76-77 ता० 21 अक्टूबर, 1976)

विस्तीर्ण और पूरा विवरण और सीमा :—

जो दस्तावेज में दिखाया गया है।

(द० नं० 296/76-77 ता० 21 अक्टूबर, 1976) —
मंगलूर)।

जे० एम० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 जून, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 23 मई 1977

निर्देश सं० 62/7002/76-77—यतः मुझे जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 153/19 36 क्रॉस रोड II क्रमांक है, तथा जो जयनगर विभाग नं० 35 बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दावंनं 929/76-77 दिनांक 8-10-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विको जयलक्ष्मि एच० एस० वेनुगोपाल के पूंजी नं० 6011 पूर्व अर्जन रेंज देपल रोड बंगलूर 14 (अन्तरक)

2. श्रीमती सी० वी० उमा भाई, सि० भीम राव के पूंजी नं० 38 पाणव अशिया बंगलूर 27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 929/76-77 ता० 8-10-76)

इमारती जांग नं० 153/19 36 क्रॉस रोड IV ब्लाक जयनगर बंगलूर -11 (विभाग नं० 35)

साउथ ऐरिया :—1525 मिटर म × 23'17 वर्ग-353.34 वर्ग मिटर।

(दस्तावेज के प्रकाश 50' × 75')

सीमा : जैसे दस्तावेज नं० 929/76-77 दिनांक 8-10-1976 जो रजिस्ट्री अधिकारी कार्यालय जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 23-5-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० 62/7008/76-77/अर्जन (बी)—यतः मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सम्पत्ति नं० 36 है, तथा जो बीमाविभाग एम्पलाइज हाउसिंग को-ऑपरेटिव कालोनी, 3 बलाक, जामनगर, बेंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर, बेंगलूर—दस्तावेज नं० 988/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—146 GI/77

1. बीमा विभाग एम्पलाइज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, रजिस्ट्रार्ड आफिस जीवन, प्रकाश, जयचामराज रोड, बेंगलूर-2। इसके गैड कार्यदर्शि ए० सत्यनारायणा राव से प्रतिनिधित्व। नं० 10, बीमा विभाग एम्पलाइज हाउसिंग सोसाइटी लि०, बीमा विभाग कालोनी III बलाक जयनगर बेंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्री एस० रामाराव अग्निवासैय्या के पुत्र नं० 36, बीमा विभाग कालोनी, III बलाक, पूर्व जयनगर, बेंगलूर-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 988/76-77 ता० अक्टूबर 1976]

जमीन नं० 36, बीमा विभाग एम्पलाइज हाउसिंग को-ऑपरेटिव हाउसिंग कालोनी, III बलाक, जयनगर, बेंगलूर-11। सीमा :

पू० : मकान नं० 35, बी०बी०ई० सी० एच० एम०

प० : मकान नं० 37, बी०बी०ई०सी० एच० एम०

उ० : V क्राम

द० : मकान नं० 41 बी०बी०ई० सी० एच० एम०

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-6-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, तारीख 20 जून, 1977.

निर्देश सं० 62/7011/76-77:—यतः मुझे जे० अंस० शव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दवान 82/96, 23 क्रॉस रोड है, तथा जो VI ब्लक जयनगर बेंगलुरु II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दवा नं० 1072/76-77, 20 नवम्बर, 1976. को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिवाभा श्रीधन दि शुद्धया विजय पुरा बेंगलोर जिला (अन्तरक)
2. सारीजामा असेजि शिवान्तजापा औरज 95/4, 4 ब्लाक के० पी० पश्चिम बेंगलुरु-20.
3. अनसुयामा सी० एन० यादव मंजु पुरारी कंपोंड कुंडापुर एस के० जिला ।
2. श्री वि० एल० नागेंदया लक्ष्मिय के पुज, 296 ईस्ट मार्केस रोड वि० वी० पुरम बेंगलुरु-4 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1072/76-77 ता० 20 नवम्बर, 1976
द० व० ठ० 82/96, 23 क्रॉस रोड 4 ब्लॉक जयनगर बेंगलुरु-II
सीमा:—

पु० :—द० व० नं० 81
प० :—द० व० नं० 83
द० :—द० व० नं० 85 और
उ० :—23 क्रॉस रोड

जे० एस० शव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बेंगलूर,

तारीख 20 जून, 1977.
मोहर

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अर्जन रेंज, तारीख 20 जून, 1977.

निर्देश सं० 62/7028/76-77 :—यतः मुझे जे० एस० राव घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० द० व० नं० 46/1, और प्रस्तुत नं० है, तथा जो 16 वाणि विलास रोड बासावानगुडि बेंगलूर-4 (कारपोरेशन विकासीन नं० 33) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बासानगुडि बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० द० व० नं० 1007/76-77, को पूर्वोक्त 28-10-76.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल तय पाया गया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री बी० के० नरमपदा दि० बीका नारायण राव के पत्नि सं० 46/1-16, वाणिज्यिक रोड क्लासावानगुडि बेंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री बी० एस० गुप्ता, बी० एस० जाशमद सेठी, के पत्नि सं० 38410 फ़ास 11 ब्लाक जयनगण बेंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1007/76-77, ता० 28 नवम्बर, 1976)
प्रश्ना सं० 46/1 और प्रस्तुत नं० 16 वाणि विलास रोड, बासा-सावानगुडि बेंगलूर (कारपोरेशन विभागिय नं० 33)

सीमा :—

पु :—डा० कृष्ण मूर्तिका खासगीय जमीन

प० :—डा० कृष्ण मूर्तिका, आर० एल० लक्षममा, आश रंग शोटि के औरत

उ० :—सरकारी रोड और

व० :—शमशमा कि जमीन नं० 74 सकेयर्स स्ट्रीट

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख :—20 जून, 1977.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7070/76-77/अर्जन (ब) :—

यतः मुझे जे० एस० राव,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० दरवाजा नं० 243, (नीचे अन्तरिती) है, तथा जो पहला मुख्यास्था, चामराजपेट, बंगलूर-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि/द० बा० नं०-10 11/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-10-1976.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

1. श्री डी० आयू० सिगारयालू, आर० डी० अय्यस्वामी पिटलौ के पुत्र, नं०-244, पहला मुख्य रास्ता। चामराजपेट-बंगलूर 18. (अन्तरक)

2. कुमारी (1) निर्मला फ्रान्सिस, (2) प्रकाश फ्रान्सिस, (3) सुरेण फ्रान्सिस, (4) श्री सतीश फ्रान्सिस, (5) दिनेश फ्रान्सिस, नं० 2 से 5 तक अप्राप्य व्यस्क-अपनी माता और पालक श्रीमती रीय फ्रान्सिस से प्रतिनिधित 242, पहला मुख्य रास्ता-यामराजवेड बंगलूर-18. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—एममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1011/76-77, ता० 29 नवम्बर, 1976) नीचेका अंतस्वी नं० 243, पहला मुख्य रास्ता, चामराजपेट बंगलूर-18.

सीमा :—जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।

जे० एस० राव.,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून, 1977.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977.

निर्देश सं० सी० आर० 62/7083/76-77/अर्जन (बी) :—

यतः मुझे जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिनकी सं० मकान स्वति नं० 31 (पुराना जमीन के० जी० वैदरहल्ली/नं० 4) है, तथा जो पम्मेगोडा रोड, मन्नाप्पा गार्डन, मुनिरेड्डिपात्याम् में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-नगर/बंगलूर, (द० व० नं० 993/76-77/) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० अक्तूबर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० शिवरामू/दि० मुनिरेड्डिकटप्पा के पुत्र नं०-6, महेरप्पा देवस्थान स्ट्रीट। मुनिरेड्डिपात्याम्। बंगलूर 6. (अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा बाबू, विजयेंद्र राव की पत्नी, नं० 24, महेश्वम्मा मंदिर स्ट्रीट, मुनिरेड्डिपात्याम्, बंगलूर-6. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 993/76-77, तारीख अक्तूबर, 1976)
मकान स्वति नं० कार्पॉरेशन नं०-31, (पुराना नं० 4) पम्मेगोडा रोड, मन्नाप्पा गार्डन, मुनिरेड्डि पात्याम्, के० जी० वैदरहल्ली, बंगलूर-6, डि० नं०-46)
सीमाएँ :—

पू० :—स्वत्ती पुराना ममीन नं०-5 में

प० :—स्वत्ती पुराना जमीन नं० 3 में

उ० :—रोड, और

द० :—रोड.

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 20 जून, 1977.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, बेंगलूर.

बेंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/7088/76-77/अर्जेंट (बी) :—
यतः, मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी सं० मु० नं० 5, वसति स्थान है, तथा जो कुमार कृपा
शेट हैगोडस, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांदिनगर, द० वा० नं० 1072/76-77 में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 14-10-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इ० एस० मुनुकुण्णा, इ० आर० शुशेअयर, जयसदन,
5 कुमारकूपा शेट बेंगलूर, (अन्तरक)

2. श्री दि० सैन० इंडिया बुक पेकरस एसोसिएशन, 25/3
होसिपदाना शेट, बेंगलूर, अर्न जामसुन्दर से प्रतिनिधित्व (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1072/76-77. ता० 19 नवम्बर, 1976)
वसतिस्थान प्रस्तुत मु० नं० 5, कुमारकूपा, शेट गौडस बेंगलूर
(विभाग नं० 44),

सीमाएँ :—

उ० :—नया शेट

द० :—के० वी० शारदम्मा और अक खासगीय जमीन

प० :—कुमारकूपा शेट और

पु० :—खासगीय जमीन

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, बेंगलूर.

तारीख : 20 जून 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जून 1977

निर्देश सं० 62/7260/76-77/अर्जन :—यतः मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 4क्रास है, तथा जो पाटेल चेलुबाप्प स्ट्रीट मुनिरेडिपालायाम, बेंगलूर (विभागीय नं० 46) में स्थित है और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० वावान 1134/76-77 20-10-1976.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वेंकटरामानाप्पा वि० भारप्प के पुत्र, नं० 85, रोवर्ट सन रोड, फ़ोजर दीन बेंकलूर-5 (अन्तरक)

2. श्री बिओजा नागेंद्र राव बी० एन० हरिराव के पुत्र नं० 59, V क्राम ग्रेम पी० एक्स्टेंशन मल्लेखराम, बेंकलूर-3, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1134/76-77, ता० 20 नवम्बर, 1976)
नया नं० क्रॉस पाटेना जालुबाप्पा स्ट्रीट मुनिरेडिपालायाम बेंकलूर, (विभागीय नं० 46)

सीमाएँ :—

पु० :—गोतमा के मकान

प० :—कुसुमा बेम्मा के मकान

द० :—सरकारी रोड

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर,तारीख : 20 जून, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर दिनांक 30 जून 1977

निर्देश सं० 47/77-78/1

—यतः,

मुझे, नरसिंह साहु
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो मौजा सुभद्रापुर, बल्लिर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 19-10-1976 है।
धर्मपला में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम राजराम (अन्तरक)
2. श्री (1) भागिरथी महापात
(2) दामरथी महापात (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सुभद्रापुर और बल्लिर मौजा, बड़याना थाना, कटक
जिला में स्थित है। वह जमीन धर्मशाला सबरेजिस्ट्रार ऑफिस में
15-10-76 तारीख में रेजिस्ट्रार हुआ, जिसके डकुमेंट न
7863) है।

नरसिंह साहु

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज भुवनेश्वर

तारीख 30-6-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्रीमती मिश्रामि अम्माल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती उन्नामल अम्माल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जून 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 19 नव०/76-77—यतः, मुझे, एम० राजरत्नम्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० चेट्टीतंगल गांव, है, जो में स्थित है (और इससे
उपावस्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दूसी (पत्र सं० 1394/76) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
16 नवम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 26-क में यथान्यायिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नार्त, रिकार्ड जिला, चेट्टीतंगल गांव एम० सं० 16/2
(0.30 1/2), 19/2 (0.24), 23/5 (0.28), 28/1,
(0.11), 37/7 (0.30), 45/2 (0.22), 51/4 (0.24),
/56.3 (0.44), 65/7 (0.33), 72/4 (0.16), 75/5
(0.24) (92/22 (0.05), 94/5 (0.41), 96/7
(0.36), 100/5 (0.13), 104/6 (0.28), 122/1
(0.05), 68/1 ए (0.07) और 106/2 बी (0.25),
में 4.44 1/2 एकड़ खेती की भूमि,।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात :—

6—146GI/77

तारीख 21-6-77

मोहर :

एम० राजरत्नम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 7th June 1977

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

1. Shri Vir Singh Riat—14-5-1977 to 2-7-1977.
2. Shri R. R. Ahir—29-5-1977 to 12-7-1977.
3. Shri Pritam Lal—16-5-1977 to 8-7-1977.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary

Amendment to the Commission's Notice for the Combined Defence Services Examination, November, 1977.

No. F. 8/3/77-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 8/3/77-E.I(B) dated 14th May, 1977 relating to the Combined Defence Services Examination, November, 1977 published in the Gazette of India dated 14th May, 1977, the words and figures "8th November, 1977" appearing in para 1 of the Notice, shall be substituted by the words and figures "15th November, 1977".

B. S. JOLLY, Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 17th June 1977

No. F.11/26/77-Estt.(CRPF).—The President is pleased to permit Shri Tilak Rai, Assistant Commandant, 21st Bn. CRPF to change his name as Tilak Raj Arora.

The 18th June 1977

No. O.II-989/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Narayan Mishra, J. M. O C.R.P.F. w.e.f. the forenoon 16th April, 1977.

No. O.II-999/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Narayan Mishra, J.M.O., CRPF w.e.f. the forenoon of 19th April, 1977.

The 20th June 1977

No. O.II-1059/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Jatindra Nath Swargari, as General Duty Officer, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31st May, 1977 until further orders.

The 21st June 1977

No. F.2/3/77-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint the following officiating Commandants in substantive capacity as Commandant with effect from 29-5-1977 :—

1. Shri B. Chakrabarti.
2. Shri S. A. Towfiq.
3. Shri R. Santhanam.
4. Shri K. L. Sachdev.
5. Shri D. R. Sharma.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi-110011, the 17th June 1977

No. 10/17/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Narang, an officer belonging to Grade I of the Central Secretariat Service, as Administrative Officer in the office of the Registrar General India, with effect from the forenoon of 1st June 1977 until further orders.

The 18th June 1977

No. 25/39/73-Ad.I.—Consequent on the termination of the Jawahar Lal Nehru Fellowship awarded to him for a period

of 2 years with effect from 16-4-1975 (F.N.), Dr. B. K. Kūy Burman assumed charge of the post of Deputy Registrar General (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, with effect from the forenoon of 16th April, 1977.

R. B. CHARI
Registrar General, India and
ex-officio Joint Secretary

SECURITY PAPER MILL, HOSHANGABAD (M.P.)

Hoshangabad, the 14th June 1977

No. PD-1/2363.—Further to this office Notification No. PD/1/1268, dated 7-5-1977 Shri P. P. Sharma, Foreman is allowed to continue to officiate as Assistant Works Manager in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 for a further period of 8 days from 3-6-1977 to 10-6-1977 vice Shri M. Padmanabhan, Assistant Works Manager on leave.

R. VISWANATHAN
General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
COMMERCE WORKS AND MISCELLANEOUS

New Delhi, the 17th June 1977

O.O. No. Admn. I/36.—Shri R. Lakshmi Narasimhan, an officiating Accounts Officer of this organisation is appointed in a substantive Permanent Capacity in the Accounts Officers cadre w.e.f. 1-2-76 in the vacancy caused by the permanent absorption of Shri D. P. Sareen, Accounts Officer in Delhi Electrical Supply Undertaking.

K. P. RANGASWAMI
Accountant General

New Delhi, the 17th June 1977

SUBJECT :—Promotion as A.O. under N.B.R. of Shri K. R. Burman, S.O. of Sr. D.A.G., C.W.&M., Calcutta.

No. ADMN.I/2(1)/V/1178.—The notification No. Admn.-I/2(1)/V/501, dated 5-5-1977, granting proforma promotion to Shri K. R. Burman, Section Officer of Sr. D.A.G., C.W.&M., Calcutta while working as Assistant Manager (A/c) in the office of the District Manager (A/cs), Food Corporation of India Dinajpur (Balughar) is hereby cancelled.

S. S. MANN
Deputy Accountant General
Commerce, Works and Misc.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 14th June 1977

No. Admn.I/Genl./IAD/31-Vol.III/10.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay, is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates mentioned against such of them until further orders :—

1. Shri G. B. Nair—25-3-1977 (A.N.).
2. Shri J. K. Patil—28-3-1977 (F.N.).
3. Shri D. R. Raut—1-4-1977 (A.N.).
4. Shri G. S. Bhatia—14-4-1977 (F.N.).
5. Shri S. Sunder Rajan—23-4-1977 (F.N.).
6. Shri P. K. John—16-4-1977 (A.N.).

2. The appointments of S/Shri G. B. Nair, D. R. Raut and S. Sunder Rajan are provisional and are subject to the final decision of the High Court of judicature at Bombay on a writ petition pending before it.

SMT. R. KRISHNAN KUTTY
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL HARYANA

Chandigarh, the 25th July 1976

No. Admn. 1/PF/76-77/1656.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Vijay Parshad Badoni Clerk that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

R. N. CHOPRA
Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 4th April 1977

G.O.O. No. 475.—Shri A. R. Nikte, permanent Section Officer officiating as Audit Officer in this office is hereby appointed to a permanent post of an Audit Officer in a substantive capacity with effect from 28-12-1976.

The 1st June 1977

G.O.O. No. 493.—Shri S. B. Patwardhan permanent Section Officer (Audit) of this office is appointed to officiate as Audit Officer with effect from 1-6-1977 (F.N.) until further orders.

KULVANT SINGH
Chief Auditor

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 21st June 1977

No. 1515/A-Admn./130/75-77.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri Suraj Bhan, substantive member of the S.A.S., to officiate as Audit Officer in the office of Assistant Director of Audit, Defence Services (Pensions), Allahabad, with effect from 6-6-1977 (FN), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Sr. Deputy Director of Audit

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 10th June 1977

No. 18342/AN/II.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to Level I of the Senior Administrative grade (Rs. 2500-125/2-2750) in an officiating capacity with effect from the dates shown against them, until further orders.

Sl. No., Name of the officer and Date from which appointed

1. Shri S. K. Sundaram—14-6-1977 (FN).
2. Shri K. Aravamudan—14-6-1977 (FN).

P. K. RAMANUSAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 13th June 1977

No. 20/77/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. DDGOF/Level-I with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri G. D. Bhalla, Offg. DDGOF (Level-II)—16th February 1977.
- (2) Shri P. R. Rao, Offg. DDGOF (Level-II)—16th February, 1977.

No. 21/77/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM (SG)-Level-II/OSD (in the grade of Offg. GM(SG)-Level-II with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri K. Narayan, Pt. GM Gr. I—16th February 1977.
- (2) Shri U. D. Pant, OSD (in the grade of GM Gr. I)—26th February, 1977.
- (3) Shri R. G. Deolalikar, Offg. GM Gr. I 16th Feb '77.

No. 22/G/77.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. General Manager Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders :—

- Shri K. P. R. Pillay, Permt. General Manager, Gr. II.—
7th February, 1977.

The 17th June 1977

No. 24/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. M. Bhattacharjee Offg. Assistant Manager (Subst. & Permanent S.A.), Metal & Steel Factory, Ishapore, retired from service w.e.f. 30th September, 1976 (AN).

No. 25/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Marik, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 28-2-77 (AN).

No. 26/77/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri J. K. Naha, Offg. Assistant Manager (Subst. & permanent Foreman) retired from service w.e.f. 28-2-77 (AN).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

Simla, the 1977

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by five points to reach 318 (three hundred and eighteen) during the month of May, 1977. Converted to base : 1949=100 the index for the month of May, 1977 works out to 386 (three hundred and eighty six).

T. SINGH
Deputy Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th June 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/402/56-Admn.(G)/4178.—Smt. U. K. Shclankar, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay retired voluntarily from Government service with effect from the afternoon of the 16th April, 1977 under clause(k) of Rule 56 of the Fundamental Rules.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 15th June 1977

No. 6/1171/77-Admn.(G)/4298.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri B. M. Chakraborty as Controller Class-II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 30th April, 1977 until further orders.

2. As Controller Shri Chakraborty will draw his pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1172/77-Admn.(G)/4310.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri D. C. Chakraborty as Controller Class-II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 30th April, 1977 until further orders.

2. As Controller Shri Chakraborty will draw his pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1170/77-Admn.(G)/4315.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. K. Mukherjee as Controller Class-II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 30th April, 1977 until further orders.

2. As Controller Shri Mukherjee will draw his pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 6/1171/77-Admn.(G)/4320.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri N. C. Debnath as Controller Class-II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 30th April, 1977 until further orders.

2. As Controller Shri Debnath will draw his pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

A. T. MUKHERJEE

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 14th June 1977

No. A-1/1/(69)/VIII.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Agarwal, permanent Deputy Director General (Super-time scale post in the Indian Supply Service Group A) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Additional Director General in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th June, 1977 and until further orders.

The 15th June 1977

No. A-1/1(341).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Aggarwal, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director General in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 6th June, 1977 and until further orders.

The 18th June 1977

No. A-1/1(82)/VI.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Kapoor, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) to officiate as Deputy Director General in the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi with effect from the forenoon of the 6th June, 1977 and until further orders.

No. A-1/1(470).—The President is pleased to appoint Shri D. R. Nagpaul, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Director (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 6th June, 1977 and until further orders.

No. A-17011(16)/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri T. S. Sandhu Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in the Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the 27th May, 1977, until further orders.

Shri Sandhu relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Bombay Inspection Circle, Bombay from the forenoon of the 27th May, 1977.

The 20th June 1977

No. A-1/1(474).—The President is pleased to appoint Shri Amar Lal, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply

Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Director (Grade I of the Indian Supply Service Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of the 6th June, 1977 and until further orders.

KIRAT SINGH
Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 21st June 1977

No. A-17011/128-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed on *ad-hoc* basis Shri Sisirkanti Basu permanent Examiner of Stores (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same Inspection Circle under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 28th May, 1977 until further orders.

No. A-6/247(214).—Shri J. Pal a permanent Examiner of Stores (Engg.) and officiating Assistant Inspecting Officer of this Directorate General of Supplies and Disposals who was on deputation to ISM London as Technical Officer (Grade III) has been dismissed from Government service.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
For Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (MINES WING)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Shillong, the 20th June 1977

No. 2222(KVM)/19A.—Shri K. V. Mohan has been allowed by the Director General, Geological Survey of India to receive charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on reversion from the Bherat Aluminium Company Limited, in the same capacity with effect from the forenoon of 16th May, 1977.

S. V. P. IYENGAR
Deputy Director General
for Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th June 1977

No. A-19012(88)/77.Estt.A.—Shri M. N. Makode permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 21st May, 1977 until further orders.

No. A-19012(89)/77.Estt.A.—Shri S. C. Nebhani permanent Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore Dressing) Group B post in the Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 24th May, 1977 until further orders.

No. A-19012(90)/77.Estt.A.—Shri P. S. Ghodke, Permanent Assistant Store Keeper (Tech.) and Officiating Store Keeper (Tech.) Grade II is promoted to officiate as Assistant Stores Officer in Group 'B' Post in Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 3rd June, 1977 until further orders.

SURESH CHAND, Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th June 1977

No. 5(92)/60-SI.—Shri S. P. Sinha, Programme Executive, All India Radio, Patna who has been granted earned leave from 15-4-1977 to 30-7-1977 as leave preparatory to retirement will retire from service on the expiry of that leave on the afternoon of the 31st July, 1977.

N. K. BHARDWAI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 21st June 1977

No. 1/8/77-SIL.—Shri N. R. Saini, Accounts Officer, office of Pay & Accounts Officer, Ministry of I & B, New Delhi is appointed on deputation to the post of Accounts officer in the scale of Rs. 840-1200 in News Service Division, All India Radio, New Delhi with effect from 16-5-1977 (F.N.) till further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 16th June 1977

No. 5/43/63-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri K. Venkateswarlu, Officiating Salesman, Films Division, Hyderabad, to officiate as Branch Manager, Films Division, Bangalore, with effect from the forenoon of the 6th June, 1977, until further orders.

On being relieved by Shri K. Venkateswarlu, Shri V. K. Nair reverted to the post of Salesman.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 15th June 1977

No. A.12026/2/77-Est.—Shri Sia Ram Goel, a permanent Senior Accountant is appointed to officiate as Accounts Officer on *ad-hoc* basis w.e.f. 2nd June, 1977, until further orders.

The 16th June 1977

No. A-12025/6/77-Est.—Shri R. K. Bhaindwal, a permanent Technical Assistant (Advtg.) is appointed to officiate as Assistant Media Executive on *ad-hoc* basis with effect from 6th June, 1977 *vice* Shri Ved Prakash, Assistant Media Executive granted leave.

R. DEVASAR
Dy. Director (Admn.)
For Director of Advtg. & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th June 1977

No. A.12023/23/76(HQ)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Km. Shobha Raheja to the post of Research Officer (Nutrition) in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 7th April, 1977 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A.12024/1/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Gurmeet Kaur Sachar to the post of Dental Surgeon under the Central Government Health Scheme for 55 days with effect from the forenoon of 16th May, 1977 to the 9th July 1977 on an *ad-hoc* basis.

No. A.12025/13/76(SJ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Satyendra Kumar to the post of Speech Therapist in the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 5th May, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

The 20th June 1977

No. 9-12/75-Admn.I.—On attaining the age of superannation Shri Hot Chand B.H., Administrative Officer, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi retired from services on the afternoon of the 31st May, 1977.

No. A.12026/14/77(AIPMR)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. B. N. Chhabria to the post of Chief, Medical Social Work Depart-

ment at the All Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay, in the leave vacancy of Smt. N. A. Kelkar with effect from the forenoon of the 25th April, 1977 to the afternoon of the 28th May, 1977.

S. P. JINDAL
Dy. Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

DEPARTMENT OF FOOD

NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 14th June 1977

No. A-19012/43/77-Estt./3299.—Shri Amiya Kumar Ray is appointed to officiate as Junior Technical Officer (Chemical Engineering) at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from the afternoon of 1st June, 1977 till further orders.

N. A. RAMAIAH
Director

Department of Atomic Energy

Directorate of Purchase and Stores

Bombay-400001, the 6th June 1977

Ref : DPS/A/32011/2/76-Est./11353—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers as Assistant Stores Officers on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the period shown against each :

Sl. No.	Name of the Storekeeper	Period	Remarks
	S/Shri		
1.	M.A. Shaikh	16-8-76 to 1-10-76	Vice Shri T.R.S. Thampi, ASO appointed as SO.
2.	L.H. Bagwe	11-10-76 to 30-11-76	Vice Shri N. John Johny, ASO granted leave.
3.	R.M. Mondkar	15-11-76 to 24-12-76	Vice Shri A.R. Tondwalkar, ASO granted leave.
4.	K.P. Singh	8-11-76 to 10-12-76	Vice Shri K. Chandrasekharan, ASO granted leave.

B. G. Kulkarni,
Assistant Personnel Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401504, 13th May 1977

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the *ad-hoc* appointment of Shri K. V. Raghavan as Assistant Personnel Officer on *ad-hoc* basis for the period from May 7, 1977 to June 12, 1977 *vice* Shri N. Srinivasan, APO deputed for training.

The 19th May 1977

No. TAPS/1/20(1)/76-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri E. N. Iyer, a temporary Canteen Supervisor in the Tarapur Atomic Power Station, as Manager, Hostel on a purely *ad-hoc* basis for the period from 26-4-1977 to 2-7-1977 *vice* Shri N. G. Malkani, Manager, Hostel proceeded on leave.

The 8th June 1977

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. D. Choudhary, a permanent Upper Division Clerk and presently officiating on *ad-hoc* basis as

Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station to officiate as Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station against a regular vacancy with effect from the forenoon of May 25, 1977, until further orders.

K. V. SETHUMADHAVAN
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th June 1977

No. A.32013/6/77-L.I.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director, Research & Development, to the grade of Deputy Director General, Civil Aviation Department on *ad-hoc* basis for a period of 74 days with effect from the 4th May, 1977 *vice* C. R. Thirumalai granted Earned leave.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 14th June 1977

No. A.32013/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. Jayaraman, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 10th May, 1977 (FN) and to post him *vice* Shri V. K. Babu, Senior Technical Officer, Regional Office, Madras granted earned leave.

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint undermentioned Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on *ad-hoc* basis with effect from the date indicated against each for period of three months and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Assumption of charge
1	2	3	4	5
	S/shri			
1.	B.A. Bellappa	A.C.S., Bombay	ACS, Bangalore	25-5-77 (FN)
	Asstt. Comm. Officer.			
2.	Pritpal Singh	A.C.S., N. Delhi	ACS, N. Delhi.	18-5-77 (FN)
	Asstt. Comm. Officer.			

The 16th June 1977

No. A.32013/3/76EA.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Paratke, Asstt. Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 10th June, 1977 and until further orders. Shri Paratke is posted at Bombay Airport, Bombay.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th May 1977

No. 1.398/77-Est.—Shri P. V. Reddy, Technical Assistant, Overseas Communications Service, Dhond Branch, who was appointed an Assistant Engineer, in an officiating capacity on *ad-hoc* basis, with effect from 22-12-1975, is appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity on a regular basis, with effect from the forenoon of 14-2-1977 and until further orders.

No. 1/427/77-Est.—Shri Ashok Kumar Gulati, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 6th May, 1977, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 17th June 1977

No. 16/257/76-Est-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Ramesh Chander Setia as Research Officer at the Regional Forest Research Centre, Jabalpur under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 26th May 1977 until further orders.

H. B. JOSHI
Dy. Secy.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS, PATNA

Patna, the 15th June 1977

C. No. II(7)1-ET/77/7465.—Sri R. K. P. Verma, Administrative Officer Group "B" of Central Excise, Dhanbad, who proceeded on leave preparatory to retirement, *vide* Estt. order No. 256/76, dated 28-9-76, after relinquishing his charge as Administrative Officer, retired from service on superannuation w.c.f. 31-1-77 (A.N.).

C. No. 11(7)1-ET/77/7464.—The following Superintendent Group "B" of Central Excise/Customs, Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from dates and hours indicated against each :—

Sl. No., Name and Date of Superannuation

- (1) Sri R. S. B. Sinha—31-1-77 (A.N.).
- (2) Sri Ishwari Prasad—31-3-77 (A.N.).
- (3) Sri Vidya Singh—31-3-77 (A.N.).
- (4) Sri Ved Vyas Singh—31-5-77 (A.N.).

H. N. SAHU
Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400001, the 15th June 1977

No. 25-Admn.(1)/77.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping hereby appoints, Shri A. P. Ramakrishnan as Freight Investigating Officer, Vishakhapatnam in a temporary capacity with effect from the 16th May 1977 (forenoon), until further orders.

S. M. OCHANNEY
Deputy Director General of Shipping

NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 16th June 1977

No. 7.—The following officers of F.R.S.E. department, Northern Railway are confirmed in Senior Scale Rs. 1100-1600(RS) on this Railway with effect from the date noted against each :—

- | | | |
|--|-----------|-------------|
| (1) Shri N.K. Parthasarthy
Dy. Chief Engineer,
Southern Railway. | 12-2-1969 | Final |
| (2) Shri K.V. Abraham
Superintending Engineer,
Ministry of Shipping & Transport,
New Delhi. | 2-1-1974 | Provisional |
| (3) Shri P.S. Marathe,
Dy. C.V.C. Central Railway,
Bombay. | 1-12-1974 | Final |

New Delhi, the 20th June, 1977

No. 8—The following Assistant Medical Officers who stand confirmed provisionally in Class II service in terms of Northern Railway Notification No. 1, dated 18-1-1974, No. 11 dated 24-7-1974, No. 12 dated 1-10-75 and No. 7 dated 23-3-1976 are confirmed finally as Assistant Medical Officers in Class II service from the dates shown against each :—

S. No.	Name	Date from which finally confirmed in Class II
1	2	3
1. Dr. N.B. Samanta		30-10-64
2. Dr. N.C. Chatterjee		26-11-64
3. Dr. (Mrs.) C.M. Sethi		1-1-66
4. Dr. S.K. Das Gupta		1-1-69
5. Dr. K.N. Bhattacharya		1-1-66
6. Dr. J.B. Kundu		1-1-66
7. Dr. R.M. Bhattacharya		1-1-66
8. Dr. C.D. Manocha		1-1-66
9. Dr. N.K. Ghosh		1-1-66
10. Dr. Rishikesh Kelra		1-1-66
11. Dr. N.C. Sen Gupta		1-1-66
12. Dr. (Miss) Kamla Sharma		1-1-66
13. Dr. Behari Lal		1-1-66
14. Dr. S.K. Dhar		1-1-66
15. Dr. B.M. Singh		1-1-66
16. Dr. C. Chakravarty		1-1-66
17. Dr. S.R. Kalla		1-1-66
18. Dr. S.C. Pakrashi		1-1-66
19. Dr. S.K. Dass Gupta		1-1-66
20. Dr. A.B. Chakravarty		1-1-66
21. Dr. (Mrs.) Harjeet Gauba		1-1-66
22. Dr. O.P. Mahajan		1-1-66
23. Dr. (Mrs.) A. Baveje		1-1-66
24. Dr. R.D. Singh		1-1-66
25. Dr. H.S. Rao Pradhan		1-4-67
26. Dr. M.M.S. Lamba		1-1-66
27. Dr. (Mrs.) D. Saxena		1-4-70
28. Dr. R.N. Goyal		1-1-66
29. Dr. U.K. Sah		1-1-66
30. Dr. P.D. Srivastava		1-1-66
31. Dr. B.K. Bagga		1-1-66
32. Dr. S.N. Singh		1-1-66
33. Dr. P. K. Srivastava		1-1-66
34. Dr. P.N. Schajpal		1-1-66
35. Dr. (Mrs.) Rej Rani Sharma		1-1-66
36. Dr. S.B. Barni		1-1-66
37. Dr. (Mrs.) Sudesh Pandey		1-1-66
38. Dr. G.R. Kapur		1-1-66
39. Dr. Munish Chandra		1-1-66
40. Dr. R.K. Mehta		1-1-66
41. Dr. S. K. Sood		1-1-66
42. Dr. J. P. Dagg		1-1-66
43. Dr. O. P. Chawla		1-1-66
44. Dr. J. Srivastava		1-1-66
45. Dr. R.P. Nigam		1-1-66
46. Dr. S.C. Manchanda		1-1-66
47. Dr. O. P. Chitkera		1-1-66
48. Dr. R. K. Srivastava		1-1-66
49. Dr. N.K. Aggarwal		1-1-66
50. Dr. J.P. Aggarwal		1-1-66
51. Dr. P. P. Mehta		1-1-66
52. Dr. H.K. Srivastava		1-1-66

1	2	3
53. Dr. Mohan Bhatia		1-1-66
54. Dr. R.K. Sen		1-1-66
55. Dr. O. P. Joshi		27-9-66
56. Dr. V.K. Gupta		20-6-67
57. Dr. M.C. Nigam		1-8-68
58. Dr. B.N. Tandon		1-2-70
59. Dr. Budh Prakesh		19-2-70
60. Dr. Mohd. Akram		2-5-70
61. Dr. Samoti Lal		31-8-70
62. Dr. (Mrs.) S. K. Gupta		10-4-72
63. Dr. (Mrs.) Santosh Guglani		13-5-72
64. Dr. (Mrs.) O. D. Sen		1-10-72
65. Dr. M.P. Saxena		24-12-72
66. Dr. (Mrs.) S. Malik		1-1-66
67. Dr. (Mrs.) Shanno Devi Aggarwal		1-1-66

S. C. MISRA
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Navabharat Cables Private Limited*

Hyderabad, the 31st May 1977

No. 1339/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Navabharat Cables Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Amrit Bank Limited*

Jullundur, the 15th June 1977

No. Stat/149/560/3015.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Amrit Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 13th June 1977

INCOME TAX

F. No. JUR-DLI/CIT.III/77-78/15993—In supersession of all previous orders u/s 124/127 of I.T. Act, 1961 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Income-tax officer mentioned in col. III of the Schedule appended hereto shall perform his functions in respect of all persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases except the cases of companies, their directors, charitable trusts, professionals e.g. Medical practitioners, Lawyers, Chartered Acc-

ountants, Contractors, Architects which have been assigned to or are otherwise assessable in any other charge falling within the areas indicated in Col. IV of the said schedule :-

SCHEDULE

S. No.	Area	Designation of the ITO	Area bounded by
1	2	3	4
1.	Naaz Cinema, Jhandewalan Extension, Jhandewalan Cycle Market etc.	I.T.O. Distt. VIII (3) New Delhi.	<p>(a) <i>In the North :</i></p> <p>Right hand side of Desh Bandhu Gupta Marg starting from the crossing of Desh Bandhu Gupta Marg and Faiz Road till its junction with crossing of Desh Bandhu Gupta Marg and M.M. Road.</p> <p><i>In the East :</i></p> <p>Right hand side of Rani Jhansi Road starting from round about of Desh Bandhu Gupta Marg and M.M. Road and ending with its junction with punchkuian Road (Shamshan Ghat being on the right side).</p>

1	2	3	4
			<p><i>In the West :</i></p> <p>Right hand side of Faiz Road starting from its junction with upper ridge road and link road and ending with its crossing of Desh Bandhu Gupta Marg with Faiz Road.</p> <p><i>In the South :</i></p> <p>Link Road starting with its junction with punchkuian Road. (Shamshan Ghat) and ending with its junction with upper ridge Road.</p> <p>(b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.</p> <p>(c) All cases which may be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.</p>

This notification shall take effect from 15th June, 1977.

A. C. JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-III, New Delhi.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 21th June 1977

Ref. No. 19/NOV/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P.t.o., situated at Chettithangal village, North Arcot District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad Doosi (Doc. No. 1394/76 on November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

7—146G1/77

(1) Smt. Sivagami Ammal,
W/o. Subbaraya Mudaliar,
Chettithangal village,
Cheyyar taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Unnamalai Ammal,
W/o. Shri S. Palani Mudaliar,
No. 34, Madanam Palayam Street,
Pillaiyarpalayam, Kancheepuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 44½ cents at Chettithangal village, Cheyyar taluk as shown below :

Survey No.	Acres
16/2	0-30½
19/2	0-24
23/5	0-28
28/1	0-11
37/7	0-30
45/2	0-22
51/4	0-24
56/3	0-44
65/7	0-33
72/4	0-14
75/5	0-24
92/22	0-05
94/5	0-41
96/7	0-36
100/5	0-13
104/6	0-28
122/11	0-05
68/1A	0-07
106/2B	0-25
Total	4-44½

S. RAJARATNAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date : 21-6-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1977

Ref. No. P. R. No. 514 Acq. 23-925/15-2/76-77.—
Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 226-227/1, Godhra City East Part, Navin area Sheet No. 7 Lot No. 418/9 situated at Near Prabhakunj Society, on Godhra Dahod Rd. Godhra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Godhra in Oct., 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Payerelal Ramkishan Sharma;
2. Shri Hariprasad Ramkishan Sharma;
3. Shri Rameshchandra Ramkishan Sharma;
Civil Lines, Road, Godhra.

(Transferor)

- (2) Smt. Jyotsnaben Shashikant Parikh,
Prabhakunj Society, C. V. Shah Rd.
Godhra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing R.S. No. 226-227/1, Godhra City East Part Navin area, Sheet No. 7, Lot No. 418/9, situated at near Prabhakunj Society on Godhra Dahod Road, Godhra land admeasuring 501 sq. yds. as described in the sale deed registered under Registration No. 3075 in the month of Oct., 1976 by the registering Officer, Godhra.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-6-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th June 1977

Ref No. A. P. 5.—Whereas, J. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Arniwala Sheikh Subhan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on 14-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Mohkam Singh, Sh. Darshan Singh & Sh. Nishan Singh s/o Shri Sushail Singh, V. Arniwala Sheikh Subhan, Teh. Fazilka. (Transferee)
- (2) Sh. Bal Krishan s/o Sh. Jassa Ram Bhatia, resident of New Delhi. (Transferor)
- (3) As per S. No. 2.
- (4) Anybody interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

72 Kanal & 11 Marlas of land at village Arniwala Sheikh Subhan, Teh. Fazilka as mentioned in the Registration Deed No. 1646 dated 14-10-1976 S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-6-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th June 1977

No. 182/77-78/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Properties situated at Lakshmipura, Arsikere Town, Hassan District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Arsikere under Document No. 1926 on 21-10-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Venkataswamy S/o Late Yerrappa Hill View, Arsikere.

(Transferor)

(2) (1) Shri K. V. Ravindranath Babu,
(2) Smt. K. R. Vijayalakshmi W/o. Shri K. V. Ravindranath Babu,

(3) Shri K. R. Satish and

(4) Shri K. R. Madhusudan, Minor Son of Shri K. V. Ravindranath Babu, Hill View, Arsikere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

All properties consisting of buildings and open lands which are situated at Lakshmipura, Arsikere Town.

- (1) Old Guest House : Measuring—East to West 13½ feet.
North to South 57½ feet with compound and open space measuring East to West 25 feet and North to South 118 feet.
- (2) Office Building : Measuring East to West 36½ feet and North to South 28½ feet with Office Room, Air Compressor Room and Lavatory within the compound of office building.
- (3) Relation Quarters with Mangalore Tiles : Bearing Municipal Door No. 111 measuring East to West 14½ feet and North to South 35 feet.

D. C. RAJAGOPALAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-6-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th June 1977

No. 183/77-78/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 1295-BI/2A and 1295-BI/3A, situated Karwar-Sirwad Road, Karwar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karwar under Document No. 203 on 19-10-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Dhananjaya Uttam Revankar
Forest Contractor, Karwar.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Vaishali W/o. Subhodh Borkar Teacher,
Karwar.
(2) Miss. Surekha Tukaram Lolekar Near Metro-
phole Talkies, Margao (Goa)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consists of open site and R.C.C. Building within the municipality of Karwar.

Sy. No.	Area	Boundries
	A—G—a	
1295--BI/2A	0--9--12½	On the EAST : S. No. 496/2 SOUTH : S. No. 497/1A WEST : S. No. 495B NORTH: S. No. 496/1
1295--BI/3A	0--5--4	

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 20-6-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Subbarao Alias Mayakond,
S.L.N. Srikantaia Temple Street,
Bhadravathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

(2) Shri U. Harischandra Rao
S/o U. Nagappaiah,
Jannapura, New Town, Mess Hotel owner,
Bhadravathi.

(Transferee)

Dharwar-4, the 20th June 1977

Notice No. 184/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 319/269 situated at Jannapura, Notified Area, Bhadravathi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhadravathi, under Document No. 1043, on 8-10-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property Consists of Storied Building Which is Situated at Jannapura notified Area of Bhadravathi Town Municipal No. 319/296 Measuring 3107 sft.
Built area for ground floor : 1380 Sft.
Plinth area of first floor : 800 Sft.
The area of Adjacent building site : 1547 Sft.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chitravan Singh Pal

(Transferor)

(2) Hari Pratap Pal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st June 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 28-H/Acq/.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. 549/263 situated at Moh. Shikenderpur Nazul Bara Darha Colony Alambagh Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 549/263 situated at vill Shikenderpur Nazul Bara Darha Colony Alambagh, Lucknow

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-6-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Daya Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohinder Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th June 1977

Ref No. 149-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(Hereinafter referred to as in the Said Act)

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A plot situated at Malville Shop Compound, Mall Road, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 7-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 1900 sq. ft. situated at Meliville shop Compound, mall Road, Nainital

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-6-1977

Seal ;

FORM ITNS ———

- (1) (i) Shri Kundanmal S/o Shri Ratanlalji Chordia,
(ii) Shri Ashok Kumar S/o Shri Samarathmal Chordia, Both R/o Chandni Chowk, Ratlam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. M/s. Jai Bharat Plastic Industries,
Dilip Nagar(Ratlam, Through its partners.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18 June 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/867.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building & open land situated at Dilip Nagar, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 20-11-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Factory Building & Open Land situated at Dilip Nagar, Ratlam.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

8—146GI/77

Date : 18-6-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th June 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/868.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 24 at Dat-Ki-Phool, Near D. S. Office, Station Road, Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 29-11-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Kumar S/o Shri Anokhillal Mahajan Jain, House No. 36, Dalumodi Bazar, Ratlam (Bhutta Bazar) (Transferor)
- (2) Shri Shantinarain Khosla, House No. 24, Dat-Ki-Pool, Near D. S. Office, Station Rd., Ratlam (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 24 at Dat-Ki-Pool D. S. Office, Station Road, Ratlam.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-6-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th June 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/869.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 739A & 404 situated at Mitra Niwas Raod Near Chhota Polo Ground, Ratlam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 17-1-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Haribabu S/o Shri Ambalalji Jaiswal,
House No. 36, Gali Dhankutti, Janakupura,
Mandsaur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Anokhilalji,
Dakh Mahajan, 36, Dalu Modi Bazar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 739A & 404 situated at Mitra Niwas Road, Near Chhota Polo Ground, Ratlam.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-6-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th June 1977

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/870.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 739A & 404 situated at Mitra Niwas Road, Chhota Polo Ground, Ratlam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ratlam on 17-1-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Basanti Bai W/o Shri Ambalalji Jaiswal, 36, Jankupura, Mandasaur. (Transferor)
- (2) Smt. Anoop Kumari W/o Shri Anokhlalji Dakh Mahajan Jain, R/o 36, Dalu Modi Bazar, Ratlam. (Transferee)

[Person is occupation of the property]
[person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 739A & 404 situated at Mitra Niwas Road, Chhota Polo Ground, Ratlam.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-6-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th June 1977

C. R. No. 62/6409/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 880, T.S. No. 1082, Area 0.16 with old residential house Door No. 6-10-398, 398-A, Mangalore town, Mannagudde ward, Codialbail village, Mangalore Town situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mangalore, Doc. No. 279/76-77 on 12-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Martha Pathao alias D. Mello
Widow Alex D. Mello,
Mannagudde, Mangalore-3
rep. by G.P. of Attorney, Thomas D. Mello, S/o
Alex D. Mello, residing at Fair fields,
Block No. 6, Santhacruz West, Bombay-400054.
(Transferor)

- (2) Sri K. Vasudeva Rao,
S/o K. Srinivasa Rao,
Mannagudde, Mangalore-3
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 279/76-77 dated 12-10-76]
R.S. No. 880 T.S. No. 1082 Area 0.16 with old
Residential house Door No. 6-10-398, and 398-A, Mannagudde ward, Codialbail village, Mangalore-town.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6422/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4 (C.H. 4), 5th Cross 3rd Main Road, Jayanagar, Extension, situated at Chamaraja Mohalla, Mysore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mysore Do. No. 733/76-77 on 7-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Major K. R. Narayana Rao (Retd.)
S/o Late Rangappa,
Gurupura Village and post, Hunusur Taluk,
Mysore Dist.

(Transferor)

(2) Mr. V. Chaluvaraj,
S/o U. Venkatachala Pillai,
Asst. Engineer, HBC, Sub Division,
No. 4, Jamakhandi Bijapur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 733/76-77 Dated 7-10-76]

House No. 4 (C.H. 4) 5th Cross, 3rd Main Road, Jayanagar Extension, Chamaraja Mohalla Mysore.

Boundaries :

North : Road,
South : Private House.
East : Road and
West : Private House.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6909/76-77/ACQ/B.—Whereas, I,
J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agricultural land bearing 6 acres in Survey No. 112,
Resurvey No. 156, situated at Bandiganahalli village, Haro-
halli Hobali, Kanakapura Taluk, Bangalore District.
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Kanakapura Doc. No. 2537/76-77 on 11-10-1976
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri C. D. Adinarayan S/o
Late Dasappa
No. 37, 4th Block,
Kumara Park west extension Bangalore city.
(Transferor)
- (2) Shri Dyavarase Gowda or alias Puttaswamy Gowda
S/o Doddadyavarase Gowda,
Virufsandra, Village,
Sathanur Hobli, Kanakapura Taluk,
Bangalore Dist.

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2537/76-77 Dated 11-10-76]
Agricultural lands bearing 6 acres in Survey No. 112,
Resurvey No. 156, Bandiganahalli, Village Harohalli Hobali,
Kanakapura taluk, Bangalore District.

Boundaries:

E. Suvarnamukhi River
W. Lands belonging to the seller (own)
N.— do — to Sri Subbarayaru and
S.— do — late. Halagappa

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 20-6-77

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6935/76-77/Acq.(B).—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. portion of premises No. 24 (old No. 133), situated at Ebrahim Saheb Street, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Doc. No. 1070/76-77 on 4-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri P. Hadi Basha Sahib,
S/o Abdul Shukoor Sahib
2. Smt. S. Amina Bai,
w/o P. Abdul Shukoor
3. Smt. P. Zulaikabi,
w/o A. Nisar Ahmed Sahib
4. Smt. P. Zubaida Bi,
w/o M. M. Abdul Kareem Sahib
5. Smt. P. Hazira Bi,
w/o A. Moosa Sahib
6. Shri P. Abdul Rahaman Sahib,
S/o P. Abdul Shukoor Sahib
7. Smt. P. Tahira Bi,
w/o A. Komal Basha Sahib
8. Smt. P. Sabira Bi,
d/o P. Abdul Shukoor Sahib
9. Shri P. Abdul Hannan,
s/o P. Abdul Shukoor Sahib
10. Smt. P. Sadika Bi,
d/o P. Abdul Shukoor Sahib
11. Smt. P. Sakira Bi,
d/o P. Abdul Shukoor Sahib

12. Shri P. Abdul Khader
s/o P. Abdul Shukoor Sahib
represented by his mother Smt. Amina Bi ashis
guardian, all residing at No. 8, S.H.A. Street, Mel-
visharam, N.A. Tamil Nadu and all the parties 2
to 12 represented by their duly constituted Attorney
Shri P. Hadi Basha Sahib.

(Transferor)

(2) Shri N. Venkatalakshmiah,
S/o N. Chowdappa,
No. 133, Veera Pillai Street, Bangalore-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1070/76-77 dated 4-10-1976]

Portion of premises No. 24, (old No. 133), Ebrahim Saheb Street, Division No. 54, Civil Station, Bangalore.
Boundaries:

- E. Portion of premises No. 24, Ebrahim Saheb St. belonging to Smt. Aisha Bee and others.
- N. Portion of house belonging to Aisha Been and common lane and
- W. Marian Bibi's property.
- S. Ebrahim Saheb Street.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 20-6-1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Fatima Zehra Jaffar,
No. 3, Infantry Cross Road, Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri H. M. Krishnamurthy,
Post Office Road, Hoskote.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6940/76-77/ACQ/B.—Whereas, I,
J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority, under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 18 (old No. 5), Cambridge Road Now bearing New
No. 1/2, situated at Artillery Road, Civil Station, Bangalore.
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Shivajinagar, Bangalore. Document No. 1125/76-77 on
14-10-1976
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
9—146GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1125/76-77 Dated 14-10-76]

Property being the vacant land and portion of premises
Corporation No. No. 18, Old No. 5, situated in Cambridge
Road, Now bearing No. 1/2, Artillery Road, Civil Station,
Bangalore.

Site Area — $\frac{60' + 47'}{2} \times \frac{80' + 81'}{2}$ — 4307 sft, or 400 sq. ft.

Boundaries :

East by main Banglow of Khandi Narayanun,
West by Artillery Road.
North by Site marked B. No. 1/3, Artillery Road,
South by No. 18/1 New No. 1/1.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6954/76-77/ACQ/B.— Whereas, I,
J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Tax, Acquisition Range, Bangalore.

being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing New No. 1, and Old No. 1/1, Leonard
Lane, Richmond Town, situated at Civil Station, Bangalore-
25 (Dn. No. 60)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Shivajinagar B'lore Doc. No. 1256/76-77 on 30-10-1976

for an apparent consideration
which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

- (1) Mohamed Khasim,
"Nishath Gardens", No. 2, Laurel Lane
Richmond Town, Civil Station, Bangalore-25.
- (2) George Osthavar,
No. 64, Prospects Street, Greenwich Connecticut,
USA and (3) Kareem Osthavar, No. 51, Amherst
Street, Long Ridge, Stamp Ford, Connecticut, USA.
All the above are the sons of the late Dr. Mohamed
Karim Osthavar and the late Bi Bi Mon. Karim.
Serial Nos. (2) & (3) are rep. herein by their
sister & duly constituted Gen. power of attorney
Holder Mrs. Shann Ratamatnulla W/o Moh.
Rahamathulla, I.A.S. (Retd.) 'Eden Villa', New
No. 102/Old No. 4-A, Residency Road, Civil
Station, Bangalore-25.

(Transferor)

- (2) Shri Syed Basheer Ahmed,
S/o Late Syed Abdul Rasheed Saheb,
Paint Contractor,
New No. 65, Richmond Road,
Richmond Town, Civil Station, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1256/76-77 Dated 30-10-76]

Premises bearing New No. 1 and Old No. 1/1 Leonard
Lane, Richmond Town, Bangalore-25 (Dn. No. 60)

Boundaries :

N : Public road known as Leonard Lane.

S : Public road known as Aga Abdulla Street,

E : Public road known as Aga Abdulla Cross.

W : Private property belonging to Mrs. Shaha Rehmathulla
bearing New No. 2/Old No. 1, Leonard Lane.

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6965/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 2659 in site No. 42, Block-I, Vanivilas Mohalla, situated at Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Document No. 814/76-77 on 29-10-1976 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. T. Narayanan,
Retd. Director of Agriculture,
No. 18, National High School Road,
Vishweshwarapuram, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri R. Subramanyan,
Sri Raghava sons,
199, Sayyaji Rao Road,
Mysore-570 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 814/76-77 Dated 29-10-76]

Property being a house, municipal decr No. 2659, in site 42, Block I, Vanivilas Mohalla, Mysore-1.

Actual measurements of the site—East to West—29.0 meters on South and 29.38 meters on the North

North to South—36.70 meters—1071.30 sq. meter
Building 17 squares

Boundaries :

East—House of Panduranga Setty, Door No. 2724 on site No. 43.

West—House of Sri Manohar Shenoy, Door No. 2903 on site No. 41.

North—Conservancy
South—Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6969/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 2 Acre and 20 Guntas in Sy. No. 112, situated at Bandiganballi Village, Harohalli Hobli, Kanakapura Taluk, Bangalore Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanakapura, Doc. No. 2650/76-77 on 18-10-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. D. Adinarayana
S/o late Dasappa,
No. 37, 4th Block, K. P. West S'n. Bangalore.
(Transferor)

(2) Shri Dyavarse gowd alias Puttaswamy gowda,
S/o Doddadvavarse gowda,
Virupasandra Village, Satanur Hobli,
Kannakapura Taluk, Bangalore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2605/76-77 Dated 18-10-76]
Agricultural land measuring 2 Acre and 20 Guntas, in Sy. No. 112, Bandiganballi Village, Harohalli Hobli, Kanakapura Taluk, Bangalore Dist.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/6976/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Undivided 7/8th share in the Mulgeni property in R.S. No. 1040, T.S. No. 448, Kissam Bagayat, Portion Northern portion, Area A.C. 0.24 and 72 sq ft. with buildings situated at Bendore Well, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mangalore Doc. No. 296/76-77 on 21-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Antony Joseph Benny,
S/o S. W. Benny,
Opp : Cpitano School,
Mangalore-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dr. Ignatius Joseph Benny,
s/o Dr. S. W. Benny, Dental Surgeon,

2. Smt. Louise Maria Benny,
W/o Dr. Ignatius Joseph Benny,
Kankanady, Mangalore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 296/76-77 Dated 21-10-76]

Undivided 7/8th share in the Mulgeni property in R.S. No. 1040, T.S. No. 448, Kissam Bagayat, Portion Northern portion, Area A.C. 0.24 and 72 sq. ft. with building situated at Bendore Well, Mangalore.

Boundaries

E : Government Maidan and Road
W : Plot belonging to late Jerome Fernandes
S : Compound wall of this property and
N : Compound wall of A. T. Pai

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 2/7002/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 153/19, 36th Cross Road, IV Block, situated at Jayanagar, Division No. 35, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jayanagar, Bangalore. Document No. 929/76-77 on 8-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati B. K. Jayalakshmi,
W/o Sri H. S. Venugopal,
Residing at No. 60/1, East Anjaneya Temple Road,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati C. B. Uma Bai,
W/o Sri C. Bhima Rao,
No. 38, Park Area, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 929/76-77 Dated 8-10-76]

Property being a building site No. 153/19, 36th Cross Road, IV Block, Jayanagar, Bangalore-11 (Division No. 35)

Site Area (Actual)=15.25 Mtrs. \times 23.17 Mtrs.=353.34 Sq. Mtrs. (As per sale deed 50 ft. \times 75 ft.)

Boundaries :

As per schedule registered under document No. 929/76-77 dated 8-10-76 at the Sub-Registrar's office, Jayanagar, Bangalore.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7008/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property No. 36, Bhimavibhag employees housing co-operative Housing Colony, 3rd Block, Jayanagar Bangalore-11, situated at Jayanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 988/76-77 on Oct. 76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bhimavibhag employees Co-operative Housing Society Ltd., registered Office at Jeevan Prakash, Jayachamaraja road, Bangalore-2, rep. by its Honorary secretary Sri A. Satyanarayana Rao s/o late A. Raghavendra rao, residing at 10, Bhimavibhag employees, Co-operative Housing Society Ltd., L.I.C. Colony, III Block, East Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferors)

- (2) S. Rama Rao,
s/o late Srinivasaiah,
No. 36, Bhimavibhag L.I.C. Colony,
III Block, East Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 988/76-77 Dated Oct. 76]
Property No. 36, Bhimavibhag employees Housing Co-operative Housing Colony, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

- E. Premises No. 35, B.V.E.C.H.S. (Bhimavibhag employees housing scheme)
- W. Premises No. 37, B.V.E.C.H.S. (Bhimavibhag employees housing scheme)
- N. Vth cross.
- S. Premises No. 41, B.V.E.C.H.S.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7011/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 82/96, 23rd cross road 6th Block, Jayanagar, Bangalore-11, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1072/76-77 on 20-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Shivamma
w/o late Rudrappa,
Vijayapura, Bangalore Dist.
2. Smt. Sarojamma
w/o Sri S. C. Shivananjappa,
95/4, XII Block, K.P. West. Bangalore-20.
3. Smt. Anasuyamma,
w/o Sri C. N. Jadev,
Manju Poojari, compound Coondapur,
S. K. Dist.

(Transferor)

- (2) Shri B. L. Nagendraiah,
s/o Laxmipathaiah,
296, East Circle road, V.V. Puram,
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1072/76-77. Dated 20-10-76]
Property No. 82/96, 23rd Cross road, 6th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Boundaries :

- E. Property bearing No. 81.
- W. Property bearing No. 83.
- S. Property bearing No. 85. and
- N. 23rd cross road.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7068/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16, Vanivilasroad, Basavanagudi, Bangalore-4 (Corporation Dn. No. 33), situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore Doc. No. 1007/76-77 on 28-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
10—146G1/77

(1) Smt. B. K. Nacharamma,
w/o late B. K. Narayana Rao,
No. 46/1-16, Vanivilas road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferee)

(2) Sri B. S. A. Gupta,
s/o B. Seetaramaiah Setty,
No. 384, 10th Cross, 11 Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1007/76-77 Dated 28-10-76]
House property bearing old No. 46/1 and present No. 16, Vanivilas road, Basavanagudi, Bangalore-4. (Corporation Dn. No. 33).

Boundaries :

- F. Property belonging to Dr. Krishnamurthy.
- W. Property belonging to Smt. R. Laxmamma w/o R. Ranga Shetty.
- N. Government road and
- S. Property bearing No. 74, Surveyor's street, belonging to Sharadamma.

I. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7070/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Ground Floor bearing Door No. 243 situated at 1st Main Road, Chamarajapet, B'lore-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, B'lore, Doc. No. 1011/76-77 on 29-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. I. Singarayal,
S/o Late R. D. Iyyaswami Pillai,
No. 244, 1st Main Road, Chamarajapet,
Bangalore-18.

(Transferor)

(2) 1. Kum. Nirmala Francis,
2. Sri Prakash Francis,
3. Sri Suresh Francis,
4. Sri Satish Francis,
5. Sri Dinesh Francis,
No. 2-5, Minors Rep. by guardian Mother Smt. Rita Francis,
242, 1st Main Road,
Chamarajapet Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1011/76-77. Dated 20-10-76]
Ground Floor bearing Door No. 243, 1st Main Road,
Chamarajapet Bangalore-18.

Boundaries:

East : Vendor's Property, Joe Davis and Hanumiah's Property,
West : Rita Francis's Property,
North : Conservancy Lane and,
South : 1st Main, Chamarajapet.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7083/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, I. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property bearing Corporation No. 31, (old site No. 4), situated at Pammegowda Road, Manappa Garden, Munireddy Pulayam, K. G. Baiderahalli, Bangalore-6, (Dn. No. 46) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore. Doc. No. 993/76-77 on Oct. 76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sbrī M. Shivaram,
S/o Late Munivenkatappa,
No. 6, Maheswarama Temple Street,
Munireddy Palya, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Sumitra Bai,
W/o Vijayendra Rao,
No. 24, Maheswaramma Temple Street,
Munireddy Palya, Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 993/76-77 Dated Oct. 1976]

House property bearing Corporation No. 31 (Old site No. 4), Pemme Gowda Road, Manappa Garden, Munireddy Pulayam, K. G. Baiderahalli, Bangalore-6. (Dn. No. 46)

Boundaries :

E : Property on old site No. 5,

W : Property on old site No. 3,

N : Road and

S : Road

I. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7088/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dwelling House bearing present Municipal No. 5, Kumara Krupa Road, High Grounds, situated at Bangalore (Dn. No. 44)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1072/76-77 on 14-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri E. S. Muthu Krishna,
S/o Mr. E. R. Shehu Iyer,
'Jaya Sadan', 5, Kumara Krupa Road,
Bangalore.

(Transferor)

- (2) The South India Book Makers Association,
25/3, Hospital Road, Bangalore and
rep. for purpose hereof by its president
Mr. M. L. Shamsunder.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1072/76-77 Dated 14-10-76]
Dwelling house bearing present Municipal No. 5, Kumara Krupa Road, High Grounds Bangalore (Dn No. 44).

Boundaries :

N : New Road Way

S : Private Property of K. V. Sharadamma and another

E : Kumarakrupa Road and

W : Private Property.

J. S. RAO.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th June 1977

C.R. No. 62/7260/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property bearing No. 12, 4th Cross, Patel Cheluvappa Street, situated at Munireddy Palyam, Bangalore (Dn. No. 46) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Doc. No. 1134/76-77 on 20-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Venkataramanappa,
s/o V. Marappa,
No. 85, Robertson Road,
Frazer Town,
Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri B. H. Nagendra Rao,
S/o Shri B. N. Hari Rao,
No. 59, Vth Cross,
S. P. Extension, Malleswaram,
Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1134/76-77. Dated 20-10-76]
House property bearing No. 12 (new) 4th Cross, Patel Cheluvappa Street, Munireddypalayam, Bangalore. (Division No. 46).

Boundaries :

E : Guthamma's house
W : Kusumba-Beamma's house
N : Veeramuniyappa's house and
S : Government Road

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Raj Ram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Bhagirathi Mohapatra.
(2) Dasarathi Mohapatra.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
9, FIREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 30th June 1977

Ref. No. 47/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, N. SAHU, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. situated at Mouza Subhadrapur & Baliber (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharmasala on 15-10-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land located at mouza-Subhadrapur & Baliber, P.S. Barchana, Dist. Cuttack under the jurisdiction of Sub-Registrar, Dharmasala and registered by sale document No. 7863 dated 15-10-76.

N. SAHU,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 30-6-1977

Seal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977